



संक्षिप्तवार्ता

विजय की पार्टी टीवीके ने इंडी गठबंधन में शामिल होने का किया एलान

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली पार्टी तमिझना वेनी कडगम (टीवीके) ने आधिकारिक तौर पर इंडी गठबंधन में शामिल होने का एलान कर दिया है। शनिवार को चेन्नई स्थित कांग्रेस मुख्यालय में हुई गठबंधन की बैठक में टीवीके के दो मंत्रियों ने हिस्सा लेकर इसकी औपचारिक शुरुआत की। बता दें चेन्नई में हुई इस अहम बैठक में टीवीके के चुनाव प्रबंधन महासचिव और मंत्री आधार अर्जुन और वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने इसे गठबंधन के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अभिनेता और नेता विजय के इस फैसले से पूरा गठबंधन और ज्यादा मजबूत होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में यह तय किया गया कि इंडी गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदेश भर में जिला स्तर पर जोरदार प्रदर्शन करेगा। गठबंधन दलों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग ने मनमाने और गैरकानूनी तरीके से काम किया है, जिसके कारण चुनावी सूची से 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम काट दिए गए।

छह महीने में बिजली बिल पर दोहरी मार, अब कोयले की जीएसटी बढ़ने से लागत का दबाव

भोपाल। मध्य प्रदेश में पिछले छह महीनों में बिजली उपभोक्ताओं के बिल पर अलग-अलग शुल्क और दरों में बढ़ोतरी का असर पड़ा है। ऊर्जा प्रभार और बिजली दरों में वृद्धि के बाद बिल करीब 10 प्रतिशत तक बढ़ने का दावा किया जा रहा है। अब बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कोयले पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत किए जाने के बाद बिजली उत्पादन लागत पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। जबलपुर में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने कोयले पर जीएसटी बढ़ाने का विरोध किया है। मंच के संरक्षक डॉ. पीजी नाजपांडे का कहना है कि कोयला बिजली उत्पादन की प्रमुख लागत में शामिल है, इसलिए इसकी कर दर बढ़ने का असर आगे बिजली की लागत पर पड़ सकता है। मंच ने सरकार से बिजली को आवश्यक सेवा मानते हुए इस तरह के अतिरिक्त बोझ की समीक्षा करने की मांग की है।

रिटार्डिड एंडिशनल चीफ इंजीनियर राजेंद्र अग्रवाल के मुताबिक, बिजली बिल में फ्यूल एंड पावर प्रचेंज एडजस्टमेंट यानी एफपीपीएस के जरिए ऊर्जा प्रभार लिया जाता है। ईंधन और बिजली खरीदी की लागत में बदलाव के आधार पर इसमें समायोजन किया जाता है।

राफेल पेलोड क्षमता और बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलों से बना आसमान का बादशाह



नई दिल्ली। सिंगल-इंजन वाले एफ-16वी के मुकाबले राफेल की पेलोड क्षमता और मेटियॉर जैसी घातक बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें इसे आसमान का बेताज बादशाह बनाती हैं। चाहे दुश्मन के रडार को चकमा देना हो या भारी-भरकम हथियारों के साथ डीप स्ट्राइक करनी हो, राफेल का वापस ला सकता है। इसके विपरीत, एफ-16वी एक सिंगल-इंजन फाइटर है, हालांकि इसका आधुनिक प्रैट एंड विटनी या जनरल इलेक्ट्रिक इंजन बेहद भरोसेमंद माना जाता है। एफ-16वी में एडवांस्ड एएन/एपीजी-83-एईएसए रडार लगा है, जो पुराने एफ-16 के मुकाबले कई गुना बेहतर है और एक साथ कई लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है।

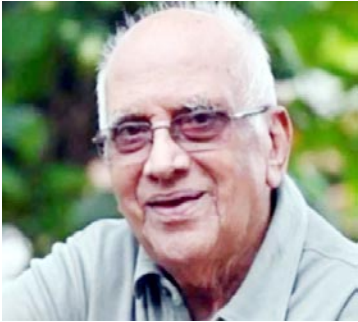
वहीं, राफेल का रडार अपनी बेहतरीन इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमता और लंबी दूरी की डिटेक्शन रेंज के लिए ग्लोबल डिफेंस मार्केट में आइकॉनिक माना जाता है। राफेल करीब 9,500 किलोग्राम तक का भारी हथियार भार अपने साथ ले जा सकता है, जिसमें गेम-चेंजर मेटेओर बीबीआर मिसाइल और स्कैल्प कूज मिसाइल शामिल हैं। दूसरी ओर, एफ-16वी की पेलोड क्षमता करीब 7,700 किलोग्राम है, और यह विश्वस्तरीय मिसाइलों से लैस होता है। राफेल का डेल्टा-कैनाई विंग डिजाइन इसे हवा में फुर्ती और कम स्पीड पर भी जबरदस्त कंट्रोल देता है। इसके मुकाबले, एफ-16वी का पारंपरिक एरोडायनामिक डिजाइन और बबल कैनोपी पायलट को बेहतरीन विजिबिलिटी देती है, जो इसे विजुअल कॉम्बैट में बेहद खतरनाक बनाती है।

दूरदर्शी फिल्ममेकर सिंगीथम श्रीनिवास का निधन, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में छाया शोक

तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने गहरा दुख व्यक्त कर उन्हें दूरदर्शी बताया

चेन्नई। भारतीय सिनेमा जगत के दूरदर्शी फिल्ममेकर सिंगीथम श्रीनिवास राव का 94 साल की उम्र में शनिवार रात चेन्नई में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमारियां से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से पूरी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। परिवार के सुत्रों ने पुष्टि की कि शनिवार देर रात उनकी हालत बिगड़ी और उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। श्रीनिवास राव के निधन पर तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि आदित्य 369, पुष्प किमानम, मयूरी जैसी फिल्में बनाने वाले सिंगीथम श्रीनिवास राव एक ऐसे फिल्ममेकर थे जो अपने समय से आगे की सोचते थे और उनकी फिल्में आज भी उतनी ही नई और प्रासंगिक हैं।

श्रीनिवास राव को उनकी लोक से हटकर और



अभिनव फिल्मों के लिए विशेष रूप से याद किया जाएगा। 1991 में आई उनकी फिल्म आदित्य 369 भारतीय सिनेमा की शुरुआती टाइम-ट्रैवल साइंस फिक्शन फिल्मों में से एक थी, जिसमें नंदमुरी बालकृष्ण और मोहिनी मुख्य भूमिका में थे। वहीं, 1987 की उनकी डाकू कॉमेडी पुष्प किमाना पूरी

तरह से डायलॉग-रहित थी और इसने राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई अवॉर्ड जीते। यह फिल्म कमल हासन के अभिनय के लिए भी सराही गई थी। इसके अलावा, क्लासिकल डॉसर्स सुधा चंद्रन के जीवन पर आधारित उनकी बायोपिक मयूरी (1984) भी बेहद लोकप्रिय हुई थी।

21 सितंबर, 1931 को आंध्र प्रदेश के उदयगिरि, नेल्लोर में जन्मे सिंगीथम श्रीनिवास ने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में करीब 60 फिल्में निर्देशित कीं। उन्होंने 1972 में तेलुगु कॉमेडी नीति निर्यात से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। उनकी सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 94 साल की उम्र में भी उन्होंने हार नहीं मानी और उनकी आखिरी फिल्म सिंग गीथम इसी साल रिलीज हुई, जो नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

शिप-टू-शिप: रूस से तेल घटा तो भारत ने निकाला जुगाड़

नई दिल्ली। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिका-ईरान जंग की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़े जोखिम और रूस से तेल आपूर्ति में कमी के बीच भारत ने कच्चे तेल की अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए एक अनूठा और प्रभावी तरीका अपनाया है। शिप-टू-शिप ट्रांसफर नामक इस रणनीति के तहत, भारत अब खाड़ी देशों से समुद्र के बीचों-बीच तेल हासिल कर रहा है, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे जोखिम भरे समुद्री मार्गों से सीधे बड़े टैंकर भेजने की आवश्यकता समाप्त हो



गई है। इस जुगाड़ के चलते सितंबर में इराक, सऊदी अरब और कुवैत जैसे

देशों से भारत का तेल आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

जलवायु गर्म होने से समुद्री बर्फ का व्यवहार बदला, इस साल पड़ेगी कम ठंड!

अंटार्कटिका। समुद्री बर्फ इस साल रिकॉर्ड के तीसरे सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। वैज्ञानिक इसे बड़ी समस्या मान रहे हैं। 14 सितंबर 2026 को बर्फ का क्षेत्रफल 17.59 मिलियन वर्ग किलोमीटर पर पहुंच गया। 1979 से सैटेलाइट निगरानी शुरू होने के बाद पिछले चार सालों में सर्दियों की बर्फ का सबसे कम अधिकतम स्तर दर्ज हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग इसका मुख्य कारण है। मोनेश् थुनिबर्सिटी की एकसपॉर्ट ने कहा है कि अब यह एक बार की घटना नहीं रही। लगातार कम पड़ रही सर्दियां दिखाती हैं कि जलवायु गर्म होने से समुद्री बर्फ का व्यवहार बदल गया है। समुद्री बर्फ पिघलने से समुद्र का स्तर सीधे नहीं बढ़ता क्योंकि यह पहले से तैर रही होती है। अगर अंटार्कटिका की विशाल बर्फ की चादर समुद्र में गिरे तो वैश्विक समुद्र स्तर कई मीटर बढ़ सकता है।

वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि अंटार्कटिका में सर्दियों में समुद्र की बर्फ का स्तर रिकॉर्ड पर तीसरे सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जो लंबे समय के औसत से 10 लाख वर्ग किलोमीटर या करीब 400,000 वर्ग मील कम है। इस स्तर की पुष्टि का मतलब है कि इस महाद्वीप पर समुद्र की बर्फ जो समुद्री जीवन के लिए बहुत जरूरी है उसके रिकॉर्ड में सबसे कम स्तर पिछले चार सालों में ही दर्ज किए गए हैं।

यूपी कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन: 2027 चुनाव के लिए बिछी नई बिसात

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में 2027 के आगामी विधानसभा चुनावों को देखकर कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाई में बड़े पैमाने पर नेतृत्व परिवर्तन किया है। कांग्रेस पार्टी ने अजय राय की जगह अनुभवी विधायक आराधना मिश्रा मोना को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी है, जो एक रणनीतिक बदलाव का संकेत है। इन नियुक्तियों में पूर्व विधायक इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि देवेन्द्र निषाद और अलोक प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त, चौधरी वीरेंद्र सिंह को कांग्रेस विधायक दल का

नेता नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली है। ये फेरबदल समाजवादी पार्टी के साथ संभावित गठबंधन और आगामी चुनावी चुनौतियों के मद्देनजर कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए हैं। प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से विधायक आराधना मिश्रा कांग्रेस के दिग्गज नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी की बेटी हैं। विधानसभा में अपनी मुखर और सशक्त आवाज के लिए मशहूर मोना की नियुक्ति को एक सोची-समझी रणनीति के तहत देखा जा रहा है। कांग्रेस इस कदम से महिला



और ब्राह्मण दोनों वर्गों को साधने की उम्मीद कर रही है, साथ ही प्रियंका गांधी वाड्ढा के लड़की हूं, लड़ सकती हूं अभियान से भी उनके

गहरे जुड़ाव को भुनाना चाहती है। मोना को राजनीति की अच्छी समझ विरासत में मिली है और उन्हें प्रियंका गांधी के करीबियों में भी

मजबूती से चुनौती पेश कर पाएंगी। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के घटनाक्रमों पर व्यक्तिगत रूप से नजर बनाए हुए हैं और इन रणनीतिक निर्णयों में उनकी अहम भूमिका रही है। कांग्रेस को उम्मीद है कि ये संगठनात्मक बदलाव राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों को जन्म देगा और ब्राह्मण समुदाय तक अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिसकी आवश्यकता पार्टी लंबे समय से महसूस कर रही थी। शीघ्र नेतृत्व का मानना है कि इन नियुक्तियों से पार्टी की चुनावी संभावनाओं को बल मिलेगा और 2027 के विधानसभा चुनावों में वह अधिक मजबूती से चुनौती पेश कर पाएगी।

गिना जाता है। पार्टी का यह संगठनात्मक फेरबदल सामाजिक इंजीनियरिंग का एक बड़ा प्रयास है, जिसका लक्ष्य विभिन्न समुदायों को एक साथ लाना है। एक ब्राह्मण

चेहरे (आराधना मिश्रा) के साथ-साथ दलित नेता राजेंद्र पाल गौतम को राज्य प्रभारी नियुक्त कर कांग्रेस ब्राह्मण-दलित वोट बैंक में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है।

बड़ी संख्या में युवाओं को उद्योगों और स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा

पाण्डुर्णा जिले के विकास में कोई कसर नहीं रहेगी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पाण्डुर्णा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि पाण्डुर्णा सहित प्रदेश के नवीन जिलों के विकास में कोई कसर नहीं रहेगी। नागरिकों की सुख - सुविधाओं और जिलों का द्रुत गति से विकास शासन की प्राथमिकता है। पाण्डुर्णा जिले के विकास को और गति दी जाएगी।

यहां के युवाओं को उद्योगों और रोजगार से जोड़ने के लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा, एग्रीकल्चर पर काम किया जाएगा, स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम डिजाइन किए जाएंगे। हमारे बच्चे, युवा खुब पढ़ें और आगे बढ़ें। यहां पशुपालन और दुग्ध उत्पादन की संभावनाओं को और बढ़ाएंगे। पाण्डुर्णा जिले के विकास में कोई भी बाधा नहीं आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को पाण्डुर्णा जिले में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में अध्यक्षता करते हुए समिति के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। बैठक का आयोजन सांदीपनी विद्यालय पाण्डुर्णा में किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बताया कि पाण्डुर्णा जिले के नवीन निर्माण कार्यों की स्वीकृतियां भी लगातार जारी की जा रही



हैं। उन्होंने पाण्डुर्णा जिले के विकास के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह सब देने के लिए जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्यों को आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने हनुमान लोक के अगले चरण के निर्माण कार्यों में प्रगति की भी जानकारी प्रास की और त्वा्र गति से कार्य पूर्ण करने

के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य छिंदवाड़ा - पाण्डुर्णा सांसद श्री विवेक बंटी साहू, पूर्व मंत्री श्री नाना भाऊ मोहोड़, पाण्डुर्णा विधायक श्री निलेश ऊर्फे और सांसद विधायक श्री विजय रेवनाथ चोरे ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव का पोषा घंट

19वें पवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। 19वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 7 से 9 जनवरी 2027 तक कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 जनवरी को तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार संयुक्त रूप से करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी और प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान करेंगी। इस दौरान युवा प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें दुनियाभर से भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य, युवा नेता, उद्यमी, पेशेवर, शिक्षाविद और नवोन्मेषक शामिल होंगे।

अमेरिका-भारत संबंधों का नया अध्याय

पुरानी दोस्ती का भ्रम छोड़ना होगा भारत को

नई दिल्ली। कुछ भारतीयों को यह गलतफहमी है कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद से हटते ही भारत-अमेरिका के रिश्ते पुराने ढर्रे पर लौट आएंगे। हालांकि, यह सोच भारत के प्रति अमेरिकी नीति में आए संस्थागत और स्थायी बदलाव की अनदेखी है। प्रसिद्ध भू-राजनीतिक विश्लेषक ब्रह्म चेलानी का स्पष्ट मत है कि भारत को लेकर अमेरिकी नीति में यह महत्वपूर्ण बदलाव तत्कालीन उपराष्ट्रपति जो बाइडेन के शासन के अंतिम दिनों में शुरू हुआ था, और ट्रंप के कार्यकाल में यह और भी तेजी से आगे बढ़ा है। अमेरिका अब इस धारणा से बाहर आ चुका है कि भारत अमेरिका को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाएगा। वह



भारत के साथ चीन वाली गलती दोहराना नहीं चाहता, जहां उसने चीन के उभार को नजरअंदाज किया था। अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैडी ने भारतीय धरती से इस बात को पहले ही उजागर कर दिया है। हाल ही में, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद पर वॉशिंगटन की संवेदनहीनता और अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न कठिनाइयों पर चिंता जहिर की, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुरंत ट्रंप को फोन किया। यह दिखाता है कि भारतीय नेतृत्व रणनीतिक कारणों से ट्रंप प्रशासन के साथ अच्छे कामकाजी संबंध बनाए रखने के साथ-साथ संवेदनशील मुद्दों पर अपनी नाराजगी को भी स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहता है। भारत सरकार का यह दोहरा रवैया उन आलोचकों को भी करारा जवाब है जो नई दिल्ली पर वॉशिंगटन के सामने अत्यधिक झुकने का आरोप लगाते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हस्तक्षेप के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंट मैथ्यू एरॉन वैनडाइक और उसके छह यूक्रेनी साथियों की रिहाई पर जनता के जोरदार विरोध ने इस कोशिश को और बल दिया है। इन सभी सातों लोगों को भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवादी साक्षिण रचने और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया था। ब्रह्म चेलानी जोर देकर कहा है कि सिर्फ ट्रंप के जाने का इंतजार करने से पुराने अमेरिका-भारत संबंध बहाल नहीं होने वाले हैं। भारत के बारे में वॉशिंगटन के नजरिए में आया यह बुनियादी बदलाव ट्रंप के आने से पहले का है और उनके जाने के बाद भी इसके यथावत बने रहने की पूरी संभावना है। नई दिल्ली को अमेरिकी नीति के इस नए स्वरूप के हिसाब से खुद को ढालना होगा, जो भारत के उभार को अब सिर्फ एक रणनीतिक अवसर के तौर पर ही नहीं, बल्कि एक संभावित आर्थिक और भू-राजनीतिक टकराव के कारण के तौर पर भी देखती है।

मजबूती से चुनौती पेश कर पायेगी

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के घटनाक्रमों पर व्यक्तिगत रूप से नजर बनाए हुए हैं और इन रणनीतिक निर्णयों में उनकी अहम भूमिका रही है। कांग्रेस को उम्मीद है कि ये संगठनात्मक बदलाव राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों को जन्म देगा और ब्राह्मण समुदाय तक अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिसकी आवश्यकता पार्टी लंबे समय से महसूस कर रही थी। शीघ्र नेतृत्व का मानना है कि इन नियुक्तियों से पार्टी की चुनावी संभावनाओं को बल मिलेगा और 2027 के विधानसभा चुनावों में वह अधिक मजबूती से चुनौती पेश कर पाएगी।

गिना जाता है। पार्टी का यह संगठनात्मक फेरबदल सामाजिक इंजीनियरिंग का एक बड़ा प्रयास है, जिसका लक्ष्य विभिन्न समुदायों को एक साथ लाना है। एक ब्राह्मण

चेहरे (आराधना मिश्रा) के साथ-साथ दलित नेता राजेंद्र पाल गौतम को राज्य प्रभारी नियुक्त कर कांग्रेस ब्राह्मण-दलित वोट बैंक में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है।

संपादकीय

कड़वे घूंट पीने की सहूलियत

अदालत ने एक ऐसा फैसला दिया है, जो राज्य सरकार को सियासी निर्णयों से हट कर प्रशासनिक व वित्तीय तौर पर हिमाचल की मिट्टी की रक्षा करने का अधिकार देता है। यह दांचागत सुधार की दृष्टि से सोचने पर विवश करेगा तथा आने वाली सरकारों को भी सबक होगा।

जाहिर तौर पर ऐसे कानूनी दांवपेंच में जब राजनीतिक फैसलों की लोकप्रियता सामने आती है, तो अदालत की भूमिका से निकले निष्कर्ष भी मार्गदर्शन करते हैं। यहां भी अदालत केवल निर्णय-निर्देश ही नहीं दे रही, बल्कि राज्य की वित्तीयस्थिति, अनावश्यक व्यय तथा आर्थिक प्राथमिकताओं में सुधार की गुंजाइश भी देख रही है। यह सियासत का चूल्हा-चौंका नहीं कि प्रदेश भर में अनावश्यक दांचा खड़ा किया जाए। हिमाचल के सार्वजनिक उपक्रमों का कुल घाटा देखा जाए तो यह 49०1.51 करोड़ बैठता है, जिसमें से अकेले राज्य विद्युत बोर्ड का घाटा ही 18०9.61 करोड़ बैठता है। इसके बाद एचआरटीसी का कुल घाटा 17०7.12 करोड़ है। कुल 27 बोर्ड एवं निगमों में से 12 केवल घाटा ही अर्जित कर रहे हैं। यह सब उस राज्य में हो रहा है जहां 2०18 के 479०6 करोड़ ऋण की 'सीमा अब 1०4,729 करोड़ पहुंच गई है। जाहिर है राज्य की वास्तविक औकात से कहीं अधिक मुँहें उगाई जाती हैं और यह राजनीति का स्थायी व्यवहार बन चुका है। हमने ऐसा नागरिक समाज, व्यवस्था और सियासी चरित्र विकसित किया है, जो सिर्फ सत्ता का दोहन, संसाधनों का गलत इस्तेमाल और सरकारी फिजुलखर्ची का प्रशंसक या मूकदर्शक बना रहता है। एक अजीब सी प्रतिस्पर्धा राजनीति को सत्ता के प्रभाव से सींच रही है और दूसरी ओर प्रति व्यक्ति आय में संपन्न हो रहा हिमाचली मुफ्तखोरी के दांतों से राज्य के संसाधनों का नास्ता कर रहा है।

बेशक हिमाचल ने बेहतरीन मंजिलें लांच कर पर्वतीय दुरुहता पर काबू पाया है। आजादी के बाद के आंकड़ों में श्रेष्ठता अर्जित करने में नाम कमाया है, लेकिन अब अप्राप्तसौक विकास की बंदरवाट होने लगी है। मंत्री अपने विभागीय विकास को दोकर घर तक ले जाना चाहते हैं, तो योजनाओं-परियोजनाओं में चुनाबी इशतिहार बंटने लगे हैं। प्रदेश में इलेक्ट्रिक बसों की खेप अगर परिवहन का विकल्प है, तो इनका आबंटन कहीं तरफदारी तो कहीं की लाचारी क्यों बन रहा है। डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदलते ही प्रतिक्रिलोमीटर 12 से 13 रुपए बचत हो रही है। इस लाभ से अगर पांच इलेक्ट्रिक डिपो बना दिए जाएं तो समाधान की स्थितिस्त में हम फिर वहीं के वहीं रहेंगे। बहरहाल अदालत ने शिक्षण संस्थानों की कतारब्यौत की जरूरत को अंगीकार करते हुए सरकार को साहस दिया है कि और कड़वे घूंट पियो, लेकिन समग्र विकास की परिपाटी और समाधानों के रास्ते पुख्ता सबूत हैं। अनावश्यक संस्थानों की फेहरिस्त में समूचे हिमाचल का चित्रण गैरराजनीतिक बने, तो ही इन मंजिलों का पता सर्वमान्य होगा, वरना आज घाटे के बारह सार्वजनिक उपक्रम हैं, तो कल सत्रह हो जाएंगे।

मानव सभ्यता ने ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। मनुष्य को बौद्धिक रूप से संसार का समर्थ प्राणी माना जाता है। उसके पास सोचने, समझने, निर्णय लेने और परिस्थितियों को बदलने की अद्भुत क्षमता है। लेकिन मनुष्य की वास्तविक श्रेष्ठता केवल उसकी बुद्धि और उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके भीतर मौजूद करुणा, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की भावना में निहित है।

यदि मनुष्य के हृदय से करुणा समाप्त हो जाए और दूसरे के सुख-दुःख के प्रति संवेदनशीलता समाप्त हो जाए तो ज्ञान और संपन्नता के बावजूद मानवता का वास्तविक अर्थ अधूरा रह जाता है। मनुष्य अकेले अपने जीवन की प्रत्येक आवश्यकता पूरी नहीं कर सकता। उसके जीवन की अनेक आवश्यकताएं प्रकृति और असंख्य जीवों के सहयोग से पूरी होती हैं। जल, वायु, अन्न, वनस्पतियां और एगु-पक्षी जीवन-व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए अन्य प्राणियों के प्रति दया और संरक्षण केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि मनुष्य का नैतिक दायित्व भी है। जिस प्रकृति और जीव-जगत से मनुष्य निरंतर प्राप्त करता है, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना उसके जीवन की जिम्मेदारी है। करुणा मनुष्य को अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध भी कराती है।

मानव समाज में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे का सहयात्री है। किसी के जीवन में सुख है तो किसी के हिस्से में संघर्ष और अभाव भी हो सकता है। ऐसे में दूसरे के दुःख को देखकर मुह फेर लेना संवेदनशील समाज की पहचान नहीं हो सकती। आर्थिक असमानता के बीच संपन्न व्यक्ति का दायित्व और बढ़ जाता है। समाज में ऐसे अनेक परिवार हैं जो सीमित साधनों में जीवनयापन करते हैं और उनकी छोटी-छोटी

आवश्यकताएं भी संघर्ष का कारण बन जाती हैं। दूसरी ओर यदि संपन्न व्यक्ति अपनी समृद्धि का प्रदर्शन करते हुए केवल अपने सुख में डूबा रहे तो सामाजिक दूरी और असंतोष बढ़ सकता है।

करुणा का अर्थ केवल किसी जरूरतमंद को वस्तु या धन देना नहीं है। किसी की परेशानी को समझना, उसके आत्मसम्मान का ध्यान रखना, संकट में उसके साथ खड़ा होना और आवश्यकता पड़ने पर सहयोग का हाथ बढ़ाना भी करुणा का ही रूप है। संवेदनशीलता मनुष्य को दूसरों की परिस्थितियों को समझने की दृष्टि देती है। जब हृदय में करुणा होती है तो रिश्तों में कठोरता कम होती है और परस्पर विश्वास बढ़ता है। परिवार, समाज और राष्ट्र की मजबूती के पीछे ऐसी ही मानवीय भावनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आज के समय में भौतिक उपलब्धियों की दौड़ तेज होती जा रही है। व्यक्ति सफलता, संपत्ति और प्रतिष्ठा को जीवन का प्रमुख लक्ष्य मानने लगा है। ऐसे वातावरण में करुणा और संवेदनशीलता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। कर्म यह समझना होगा कि किसी समाज की वास्तविक समृद्धि केवल उसकी आर्थिक स्थिति से नहीं मापी जा सकती। समाज किना मानवीय है, कमजोर और जरूरतमंद लोगों के प्रति उसका

व्यवहार कैसा है और संकट की घड़ी में लोग एक-दूसरे के किनने काम आते हैं, यह भी उसकी प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। मन की करुणा पारस्परिक संबंधों को मधुर बनाती है। संवेदनशील व्यक्ति केवल अपने हित की चिंता नहीं करता, बल्कि अपने आसपास के लोगों के सुख-दुःख को भी समझता है। यही भावना परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र तक फैलती है। मानवता की आधारभूमि पारस्परिकता है और पारस्परिकता तभी मजबूत हो सकती है जब उसमें प्रेम, सहयोग, सहानुभूति और विश्वास का समावेश हो। इसलिए करुणा को कमजोरी नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र की शक्ति के रूप में देखना चाहिए। धर्म मानव जीवन को दिशा देने वाली महत्वपूर्ण अवधारणा है, लेकिन समय के साथ धर्म की व्याख्याएं इतनी जटिल होती गई कि उसके मूल उद्देश्य को समझना कठिन हो गया। अलग-अलग परंपराओं और संप्रदायों ने धर्म को अपने-अपने दृष्टिकोण से परिभाषित किया है। इन व्याख्याओं में विविधता स्वाभाविक है, लेकिन धर्म के ऐसे मूल मूल भी हैं जिन्हें सभी मनुष्यों के लिए उपयोगी माना जा सकता है। सत्य, संयम, सदाचार, अहिंसा, करुणा, आत्मसंयम और परोपकार जैसी प्रवृत्तियां किसी एक सदाचार की सीमाओं में बंधी नहीं हैं।

धर्म की सबसे व्यापक उपयोगिता चरित्र निर्माण में दिखाई

देती है। यदि धर्म मनुष्य को अपने आचरण को शुद्ध करने, गलत प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने और दूसरों के प्रति चान्यापूर्ण व्यवहार करने की प्रेरणा देता है तो वह जीवन को सार्थक बनाने का माध्यम बन जाता है। केवल पूजा-पद्धति, धार्मिक अनुष्ठान या बाहरी आडंबर धर्म का संपूर्ण स्वरूप नहीं हो सकते। धर्म का वास्तविक प्रभाव मनुष्य के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उसके विचारों में संयम, वाणी में मधुरता और कर्मा में सदाचार दिखाई दे तो धर्म जीवन का हिस्सा बनता है।

हर व्यक्ति परिवार और समाज का अंग है। इसलिए उसे ऐसा जीवन जीना चाहिए जिससे दूसरों को अनावश्यक कष्ट न पहुंचे। व्यक्ति के अधिकारों के साथ उसके सामाजिक दायित्व भी जुड़े होते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ के लिए समाज की व्यवस्था, शांति और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाता है तो उसका आचरण सामाजिक जीवन के लिए बाधक बन जाता है। इसके विपरीत वह व्यक्ति अपने आचरण में मर्यादा, जिम्मेदारी और नैतिकता को स्थान देता है तो वह स्वयं भी शांतिपूर्ण जीवन जीता है और दूसरों के लिए भी सुखद वातावरण बनाता है।

धर्म का रचनात्मक स्वरूप मनुष्य को भीतर से बदलने में सक्षम होता है। भय के कारण किया गया अस्वच्छ व्यवहार परिस्थितियों के बदलते ही समाप्त हो सकता है, लेकिन विवेक

और संस्कार से विकसित सदाचार लंबे समय तक कायम रहता है। इसलिए धर्म को केवल बाहरी अनुशासन के रूप में नहीं, बल्कि आत्मअनुशासन के रूप में समझना आवश्यक है। जब व्यक्ति अपने भीतर के दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करता है, तब धर्म उसके जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि धर्म की उन शिक्षाओं को प्रमुखता दी जाए जो मनुष्य को जोड़ती हैं, बाँटती नहीं। करुणा, अहिंसा, सत्य, संयम, सेवा और परोपकार ऐसे मूल्य हैं जो किसी भी स्वस्थ समाज की नींव बन सकते हैं। धर्म यदि मनुष्य को अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार और अधिक सदाचारी बनाता है तो उसकी उपयोगिता स्वतः सिद्ध हो जाती है। मानवता और धर्म एक-दूसरे के पूरक हैं। करुणा मनुष्य के हृदय को कोमल बनाती है और धर्म उसके आचरण को दिशा देता है। जब संवेदनशीलता के साथ सदाचार जुड़ता है तो जीवनों में वास्तविक मानवीयता विकसित होती है। इसलिए धर्म की सच्ची सेवा यही है कि वह मनुष्य को नैतिक, सार्थक और लोकहितकारी जीवन जीने की प्रेरणा दे। यही धर्म की व्यापकता है और यही मानवता की जीवित रखने का सबसे प्रभावी मार्ग भी है।

काितालाल मांडोट

पुतिन की परमाणु चेतावनी और भारत की शांति नीति

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ताजा बयान ने यूरोप और दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मॉस्को में वाल्डाई फोरम के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस के किसी भी क्षेत्र पर हमला हुआ तो रूस अपनी सुरक्षा के लिए सभी उपलब्ध हथियारों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने विशेष रूप से कलिननिग्राद का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि नाटो देश इस रूसी क्षेत्र को बाकी रूस से अलग करने की कोशिश करते हैं तो रूस तत्काल जवाब देगा। उनके बयान को पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि रूस और नाटो के बीच यूक्रेन युद्ध के बाद से सैन्य और राजनीतिक टकराव लगातार बढ़ा है।

कलिननिग्राद रूस का ऐसा क्षेत्र है जो भौगोलिक रूप से रूस के मुख्य भूभाग से अलग है। यह बाल्टिक सागर के किनारे पोलैंड और लिथुआनिया के बीच स्थित है और वारों और से नाटो के सदस्य देशों के निकट है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1945 से यह क्षेत्र सोवियत संघ और बाद में रूस के नियंत्रण में है। रूस के लिए कलिननिग्राद केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं बल्कि सैन्य और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां रूस की बाल्टिक नौसेना की मौजूदगी है और क्षेत्र में आधुनिक सैन्य प्रणालियां तैनात हैं। इसकी भौगोलिक स्थिति रूस को बाल्टिक सागर तथा यूरोप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने की क्षमता देती है।

पुतिन ने अपने बयान में पश्चिमी देशों पर रूस के खिलाफ तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पश्चिमी देशों में आने वाले वर्षों में रूस के साथ संभावित युद्ध की बातें की जा रही हैं। उन्होंने बाल्टिक सागर में होने वाले सैन्य अभ्यासों और रूसी जहाजों को लेकर उठाए जा रहे कदमों का भी उल्लेख किया। रूस की ओर से यह दावा भी किया गया है कि नाटो कलिननिग्राद की हवाई और समुद्री नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। हालांकि नाटो ने इस दावे को खारिज किया है और कहा है कि रूस पर हमला करने या कलिननिग्राद को निशाना बनाने की उसकी कोई योजना नहीं है।

नाटो की ओर से रूस की परमाणु धमकियों पर आपत्ति जताई गई है। नाटो का कहना है कि वह रक्षात्मक गठबंधन है और उसकी सैन्य गतिविधियां रूस के किसी क्षेत्र पर हमला करने के उद्देश्य से नहीं हैं। नाटो महासचिव मार्क रूटे ने भी रूस से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां बंद करने को कहा है। इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट है कि यूक्रेन युद्ध का असर केवल रूस और यूक्रेन तक सीमित नहीं है, बल्कि यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था और रूस तथा नाटो के संबंधों पर भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है।

बाल्टिक सागर में पिछले कुछ समय से नाटो के सैन्य अभ्यास भी तनाव का एक कारण बने हुए हैं। नाटो ने समुद्र के नीचे मौजूद संचार केबल और पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। रूस इन गतिविधियों को अपनी सुरक्षा के नजरिए से देखता है,

जबकि नाटो इन्हें सदस्य देशों और महत्वपूर्ण समुद्री ढांचे की सुरक्षा से जोड़ता है। दोनों पक्षों के बीच इस तरह की गतिविधियों को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण हैं। परमाणु हथियारों के संदर्भ में पुतिन का बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे सैन्य टकराव का खतरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय रहा है। रूस दुनिया की प्रमुख परमाणु शक्तियों में शामिल है और नाटो में भी अमेरिका, ब्रिटेन तथा फ्रांस जैसी परमाणु शक्तियां हैं। ऐसे में किसी भी सैन्य संकट में परमाणु हथियारों का उल्लेख अंतरराष्ट्रीय तनाव को और बढ़ा सकता है। इसलिए दुनिया के अधिकांश देश रूस और पश्चिमी देशों के बीच सीधे संघर्ष से बचने तथा बातचीत का रास्ता बनाए रखने पर जोर देने रहे हैं।

इसी पृष्ठभूमि में भारत की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। रूस के साथ भारत के लंबे समय से मजबूत और बहुआयामी संबंध हैं। रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, अंतरिक्ष और रणनीतिक सहयोग सहित अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच संबंध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच व्यक्तिगत संवाद भी लगातार बना हुआ है। इसके बावजूद भारत ने यूक्रेन युद्ध के मामले में रूस का समर्थन करने के बजाय लगातार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान का पक्ष रखा है। पुतिन ने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अस्त्र मित्र बताते हुए कहा है कि मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की बात उठाते हैं। उनका कहना है कि मोदी हर मुलाकात में युद्ध रोकने और शांति का रास्ता निकालने पर चर्चा करते हैं तथा उनके पास इस दिशा में उपयोगी सुझाव हैं। यह स्थिति भारत की विदेश नीति के उस दृष्टिकोण को सामने लाती है जिसमें मित्र देशों के साथ संबंध बनाए रखते हुए विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति का संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि आज का दौर युद्ध का नहीं है और समस्याओं का समाधान बातचीत तथा कूटनीति से होना चाहिए। रूस की यात्रा के दौरान भी उन्होंने स्पष्ट किया कि गोलियों, बमों और युद्ध के मैदान से शांति का रास्ता नहीं निकल सकता। यूक्रेन यात्रा के दौरान भी भारत ने शांति प्रयासों में सहयोग की इच्छा जताई थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत ने युद्ध समाप्त करने और स्थायी शांति की आवश्यकता को रेखांकित किया है। भारत और रूस के संबंधों की खासियत यही है कि दोनों देशों के बीच मित्रत्व संबंध होने के बावजूद भारत ने युद्ध को लेकर अपने स्वतंत्र दृष्टिकोण को कायम रखा है। रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी के बावजूद भारत ने यह संदेश दिया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के बीच संवाद में भी यूक्रेन युद्ध का विषय सामने आता रहा है। भारत का जोर इस बात पर है कि बातचीत के माध्यम से ऐसा रास्ता निकाला जाए जिससे संघर्ष समाप्त हो और स्थायी शांति स्थापित हो सके।

पुतिन ने भारत की विविधता और एकता की भी प्रशंसा की है। उन्होंने भारत की विशाल



अनगिनत बुजुर्ग अपनी जिंदगी की आखिरी सांसें

वृद्धाश्रम की टंडी और अनजान दीवारों के बीच अपनों का रास्ता तकरते हुए छोड़ देते हैं।

विडंबना की पराकाष्ठा देखिए—
जो औलाद जीते-जी अपने बूढ़े मां-बाप को दो पल का वक्त नहीं दे पाती, बीमारी में एक गिलास पानी देने से कतराती है और अंत में उन्हें वृद्धाश्रम के सहारे छोड़ आती है ; वही औलाद उनके गुजरने के बाद पितृपुत्र में बड़े भक्तिभाव से

श्राद्ध का नाटक करती है।

पंडितों का हुजूम बुलाया जाता है, छप्पन भोग सजाए जाते हैं, दान-पुण्य के ढोल पीटे जाते हैं और समाज के सामने यह साबित करना ही होड़ मवती है कि पितृ-ऋण चुका दिया गया।

लेकिन यहाँ समाज के मुंह पर एक सीधा और तीखा सवाल उछलना जरूरी है :

क्या उस मृत पिता की आत्मा उस छप्पन भोग को स्वीकार करेगी, जिसे देने वाले हाथों ने जीते-

आबादी, अनेक भाषाओं और विभिन्न सांस्कृतिक परंपराओं के बावजूद लोगों के साथ मिलकर रहने की क्षमता को उल्लेखनीय बताया। उनके अनुसार भारत की विविधता दुनिया के लिए सीख का विषय हो सकती है। यह टिप्पणी दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंधों के साथ-साथ सांस्कृतिक समझ को भी दर्शाती है।
वर्तमान परिस्थितियों में पुतिन की परमाणु चेतावनी और नाटो की प्रतिक्रिया के बीच दुनिया को सबसे अधिक जरूरत संयत और संवाद की है। रूस और नाटो के बीच सीधा संघर्ष केवल यूरोप तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर वैश्विक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा व्यवस्था पर भी पड़ सकता है। इसलिए भारत जैसे देशों की कूटनीतिक भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत रूस से अपने संबंध बनाए रखते हुए पश्चिमी देशों के साथ भी संवाद करता है और लगातार बातचीत से समाधान की वकालत करता रहा है। रूस की सुरक्षा चिंताओं और नाटो की चिंताओं के बीच मतभेद गंभीर है, लेकिन परमाणु हथियारों की धमकी किसी भी स्थिति को और जटिल बना सकती है। पुतिन का यह संदेश कि रूस पर हमला हुआ तो वह अपने सभी हथियारों का इस्तेमाल करेगा, दुनिया के लिए चेतावनी है कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव को हलके में नहीं लिया जा सकता। वही भारत का लगातार यह कहना कि युद्ध के बजाय संवाद और कूटनीति से समाधान निकाला जाना चाहिए, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति में उसके स्वतंत्र कूटनीतिक दृष्टिकोण को सामने रखता है।
भारत और रूस के संबंधों में मित्रता और रणनीतिक सहयोग पुराना है, लेकिन यूक्रेन युद्ध ने भारत के सामने कूटनीतिक संतुलन की चुनौती भी रखी है। भारत ने रूस के साथ संवाद जारी रखा है और साथ ही पश्चिमी देशों के साथ भी अपने संबंध मजबूत बनाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश लगातार यही रहा है कि युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत जरूरी है। पुतिन द्वारा मोदी के इस रुख का उल्लेख यह दिखाता है कि भारत की शांति संबंधी अपील रूस तक सीधे पहुंच रही है। आज जब यूरोप में सैन्य गतिविधियां बढ़ रही हैं और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की चेतावनियां सामने आ रही हैं, तब दुनिया को टकराव से बचाने के लिए कूटनीतिक रास्तों को खुला रखना आवश्यक है। रूस और नाटो के बीच अविश्वास कम करना आसान नहीं है, लेकिन संवाद बंद हो जाने की स्थिति किसी भी संकट को और गंभीर बना सकती है। भारत ने इसी कारण दोनों पक्षों के साथ संवाद बनाए रखने और युद्ध के स्थान पर बातचीत को प्राथमिकता देने की नीति अपनाई है। रूस के साथ भारत की मित्रता इस बात में बाधक नहीं बनी कि प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के सामने युद्ध समाप्त करने की आवश्यकता रखी। वही भारत की विदेश नीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि मित्रता के साथ अपने राष्ट्रीय हित और शांति के सिद्धांतों को भी महत्व दिया जाता है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोट)

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

...जब जीते-जी सम्मान को तरसे मां-बाप, तो मरने के बाद का भोज कैसा?

जी उन्हें एक सूखी रोटी भी इज्जत से न दी हो?

क्या मरने के बाद पंडितों को कराए गए भोजन से उस मां की आत्मा को तुषि मिलेगी, जो जीते-जी अपनी ही औलाद के हाथों उपेक्षा और तन्हाई के आंसू बहाती रही?

यह सवाल किसी धर्म, शास्त्र या परंपरा पर हमला नहीं है—यह प्रहार उस पाखंड पर है जो आज हमारी आदत बन चुका है। सनातन परंपरा में 'जीवित पितृ पूजा' को सबसे बड़ा धर्म कहा गया है। जब तक माता-पिता सांस ले रहे हैं, वही साक्षात ईश्वर हैं। उनकी सेवा, उनके आत्मसम्मान की रक्षा और उनकी लाचारी में उनके साथ मजबूती से खड़े रहना ही सबसे सच्चा धर्म है।

अगर जीते-जी माता-पिता के हिस्से सिर्फ तिरस्कार, उपेक्षा और वृद्धाश्रम का एकांत आया, तो मरने के बाद किया गया विशाल श्राद्ध-भोज केवल एक आडंबर है—समाज को ठगने का छलावा और अपनी आत्मगलानि को छिपाने की नाकाम कोशिश।

मां-बाप की सेवा कोई सालाना कर्मकांड नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है :

उनके पास बैठकर दो पल दिल से उनका

हाल पूछ लेना। वक्त पर उनकी दवा और जरूरतों का ख्याल रख लेना। उनकी बातों को चिढ़ने के बजाय सब्र से सुन लेना। और सबसे बढ़कर, उन्हें अहसास दिलाना कि वे आज भी परिवार की नींव हैं, कोई फालतू हिस्सा नहीं।

बुढ़ापे में बुजुर्गों को संपत्ति या महंगे उपहार नहीं चाहिए; उन्हें सिर्फ अपनों का साथ, आदर और थोड़ा सा प्रेम चाहिए। याद रखिए, हम अपनी आने वाली पीढ़ी को जो दिखा रहे हैं, वही काटेंगे। अगर आज बच्चे घर के दादा-दादी को उपेक्षित होते या वृद्धाश्रम जाते देखेंगे, तो कल वे भी अपने मां-बाप के साथ वही करेंगे। बच्चे हमारी नसीहतों से नहीं, हमारे आचरण से सीखते हैं। मृत्यु के बाद श्राद्ध की थाली में कितने पक्वान सजे थे, इससे ईश्वर के दरबार में कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क सिर्फ इससे पड़ता है कि जब मां-बाप जिंदा थे, तब उनकी थाली में और उनके जीवन में हमारा किनासा प्यार था। मरे हुए लोगों के नाम का दिखावा सिर्फ दुनिया देख सकती है, लेकिन जिंदा मां-बाप की सच्ची सेवा सीधे ईश्वर के दरबार में दर्ज होती है।

लेखक – वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीकान्त पाठक

आलेख

हिसार में अतिक्रमण हटाने के नाम पर एक रेहड़ी वाली महिला का सामान फेंके जाने का दृश्य सामने आता है तो सवाल केवल एक महिला की रेहड़ी का नहीं रह जाता, बल्कि पूरे प्रशासनिक रवेये पर उठता है। शहर को अतिक्रमण मुक्त करना नगर निगम की जिम्मेदारी है और सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों तथा रास्तों पर कब्जे हटाए जाने चाहिए। लेकिन कानून की असली परीक्षा तब होती है, जब उसके सामने कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं, बल्कि रोज कमाकर परिवार चलाने वाली गरीब महिला खड़ी हो। नियम सबके लिए समान हैं तो कार्रवाई का तरीका और पैमाना भी सबके लिए समान होना चाहिए।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई यदि जरूरी है तो वह दुकानदार, रेहड़ी वाला, शोरूम मालिक या किसी भी अन्य व्यक्ति के लिए समान रूप से होनी चाहिए। सड़क पर कुछ फीट तक सामान फैलाकर बैठी रेहड़ी को अतिक्रमण मानना उचित है तो दुकान के बाहर फुटपाथ और सड़क तक फैलाया गया

सामान भी उसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। शोरूमों के बाहर लगे बड़े बोर्ड, अस्थायी ढांचे, सामान रखने के लिए घेरा गया स्थान और सड़क की सीमा तक फैला व्यापार भी शहर की सार्वजनिक जगह को प्रभावित करता है। सवाल यह नहीं कि किसके खिलाफ है। सवाल यह है कि क्या हर अतिक्रमण के खिलाफ समान कार्रवाई हो रही है ?

गरीब की रेहड़ी दिखाई देना आसान है, लेकिन बड़े प्रतिष्ठानों का कब्जा अक्सर व्यवस्था की आंखों के सामने भी सामान्य मान लिया जाता है। यदि ऐसा कहीं हो रहा है तो यह प्रशासन की निष्पक्षता के लिए गंभीर प्रश्न है। नगर निगम को बाजारवार सर्वे कर यह सार्वजनिक करना चाहिए कि निर्धारित सीमा से बाहर कौन-कौन से कब्जे हैं और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। इससे किसी भी कार्रवाई पर पक्षपात का सवाल उठने की गुंजाइश कम होगी।

रेहड़ी-पटरी पर कारोबार करने वाले लोग शहर की अर्थव्यवस्था का भी

हिस्सा हैं। सब्जी, फल, कपड़े, खाने-पीने की वस्तुएं या छोटे घरेलू सामान बेचने वाले अनेक लोग अपनी छोटी-सी पूंजी से परिवार चलाते हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की भी है। उनके लिए रेहड़ी केवल व्यापार का साधन नहीं, बल्कि घर की आय का महत्वपूर्ण स्रोत होती है। इसलिए यदि कोई रेहड़ी निर्धारित स्थान पर नहीं लगा सकती तो उसे हटाने से पहले नियमों के अनुरूप वैकल्पिक व्यवस्था की दिशा में भी सोचना चाहिए।

हरियाणा में स्ट्रीट वेंडरों के लिए कानूनी व्यवस्था मौजूद है। सर्वे, पंजीकरण, वेंडिंग जोन और डाउन वेंडिंग कमेटी जैसी व्यवस्थाओं का उद्देश्य यही है कि सड़क किनारे होने वाले छोटे कारोबार को पूरी तरह अनियंत्रित भी न छोड़ा जाए और गरीब विक्रेताओं की आजीविका भी, अनावश्यक रूप से न छीनी जाए। इसलिए प्रशासन को अतिक्रमण और वैध स्ट्रीट वेंडिंग के बीच स्पष्ट अंतर करना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात है व्यवहार की

भाषा। नियम तोड़े जाने पर सामान हटाया जा सकता है, चालान किया जा सकता है और कानून के अनुसार जब्ती की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। लेकिन किसी महिला के साथ अपमानजनक भाषा, धक्का-मुक्की या अमानवीय व्यवहार किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। प्रशासनिक अधिकार नागरिक के सम्मान से बड़ा नहीं हो सकता।

यदि सामने आए वीडियो में दिखाई दे रहा व्यवहार वास्तविक घटना का हिस्सा है, तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वीडियो के एक हिस्से के आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन वीडियो सामने आने के बाद जांच से बचना भी उचित नहीं होगा। नगर निगम को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उस दिन क्या कार्रवाई हुई, किस अधिकारी या कर्मचारी की ड्यूटी थी, महिला को पहले को सूचना दी गई थी या नहीं, सामान जब्त करने की क्या प्रक्रिया अपनाई गई और बाद में उसे सामान वापस लेने का अवसर दिया गया नहीं।

यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा नियमों का उल्लंघन या अभद्र व्यवहार सिद्ध होता है तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। कार्रवाई का उद्देश्य अधिकारियों का मनोबल गिराना नहीं, बल्कि प्रशासनिक अधिकारों के जिम्मेदार इस्तेमाल का संदेश देना होना चाहिए। जिस प्रकार अतिक्रमण करने वाले से नियमों का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार कार्रवाई करने वाले अधिकारी से भी कानून और मर्याद का पालन अपेक्षित है।

सवाल यह भी है कि क्या अतिक्रमण हटाने के अभियान की शुरूआत केवल छोटी रेहड़ियों से होनी चाहिए? यदि शहर को वास्तव में व्यवस्थित करना है तो नगर निगम को एक व्यापक और पारदर्शी अभियान चलाना चाहिए। फुटपाथों पर बने स्थायी-अस्थायी कब्जे, दुकानों के बाहर फैला सामान, सड़क तक निकले बोर्ड, अस्थायी निर्माण और अन्य व्यावसायिक अतिक्रमण—सबकी एक समान जांच हो। कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की जाए ताकि नागरिकों को भी पता चले

कि नियम केवल कमजोर पर लागू नहीं होते।

शहर की सुंदरता का अर्थ केवल चमकते शोरूम नहीं है। जिस फुटपाथ पर किसी बड़े ब्रांड का सामान फैलता है, वह भी जनता का है और जिस फुटपाथ पर कोई गरीब महिला छोटी-सी रेहड़ी लगाती है, वह भी जनता का है। सार्वजनिक स्थान पर अधिकार का निर्धारण आर्थिक हैसियत से नहीं, कानून से होना चाहिए। नगर निगम चाहे तो इस पूरे विवाद को एक अवसर में बदल सकता है। शहर के सभी बाजारों का डिजिटल सर्वे कराया जाए। प्रत्येक दुकान और शोरूम की स्वीकृत सीमा स्पष्ट की जाए। रेहड़ी-पटरी वालों के लिए निर्धारित वेंडिंग जोन बनाए जाएं। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ खाली रखे जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वालों को पहले स्पष्ट सूचना दी जाए और फिर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई हो। महिलाओं और कमजोर वर्गों के मामलों में मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।

अतिक्रमण हटाना जरूरी है, लेकिन

अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया स्वयं अन्याय का कारण नहीं बननी चाहिए। शहर में व्यवस्था चाहिए, मगर ऐसी व्यवस्था नहीं जिसमें गरीब की रोजी सड़क पर बिखरी दिखाई दे और बड़े कब्जे नजरअंदाज होते रहें।

हिसार प्रशासन और नगर निगम को यह संदेश स्पष्ट रूप से देना चाहिए कि कानून की नजर में रेहड़ी और शोरूम अलग-अलग नागरिक नहीं हैं। नियम अलग-अलग नहीं हो सकते।

यदि किसी गरीब महिला से गलती हुई है तो उसे कानून के अनुसार समझाया और दंडित किया जा सकता है; लेकिन उसका अपमान नहीं किया जा सकता। और यदि किसी बड़े प्रतिष्ठान ने सार्वजनिक स्थान पर कब्जा किया है तो उसके खिलाफ भी वही दृढ़ता दिखाई जानी चाहिए। शहर को अतिक्रमण मुक्त करना है तो पहले कार्रवाई का पैमाना समान कीजिए। सड़क खाली कराइए, लेकिन किसी गरीब की गरिमा मत कुचलिए। हिसार को व्यवस्थित भी बनाइए और संवेदनशील भी।

डॉ. प्रियंका सौरभ

संक्षिप्तवार्ता

पीएचडी शोधार्थियों के लिए 75 फीसदी उपस्थिति जरूरी

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली सरकार के डॉ.बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) ने पीएचडी शोधार्थियों की उपस्थिति को लेकर संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए। शोधार्थियों को पाठ्यक्रम के दौरान होने वाले कुल व्याख्यानो में कम से कम 75 फीसदी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। विश्वविद्यालय ने 31 जुलाई को जारी उपस्थिति संबंधी अधिसूचना को निरस्त करते हुए 30 सितंबर को संशोधित निर्देश जारी किए हैं। शोधार्थियों को पाठ्यक्रम में शामिल होने के साथ स्कूल या विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में भी भाग लेना होगा। शोधार्थियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड शोध पर्यवेक्षक और कार्यक्रम समन्वयक रखेंगे। संबंधित स्कूल के डीन इस रिकॉर्ड का सत्यापन करेंगे। यह आदेश विश्वविद्यालय या बाहरी फंडिंग एजेंसी की किसी भी योजना के तहत फेलोशिप प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक पीएचडी शोधार्थियों पर लागू होगा।

ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसे यात्री को जवान ने बचाया

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। सराय रोहिल्ला स्टेशन पर रविवार को आरपीएफ के जवान ने ट्रेन की चपेट में आने से एक यात्री को बचा लिया। यह यात्री ट्रेन में सवार होने के दौरान गिरकर गाड़ी और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया था। वहां मौजूद आरपीएफ के जवान ने तुरंत भागकर उसे बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। वरिष्ठ अधिकारियों ने आरपीएफ जवान मनोज कुमार के इस साहसिक कार्य के लिए उसकी सराहना की है।

आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) का सिपाही मनोज कुमार रविवार को सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर तैनात था। इसी दौरान गाड़ी संख्या 19566 प्लेटफॉर्म संख्या एक से जा रही थी। प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक यात्री ने चलती हुई गाड़ी में चढ़ने का प्रयास किया और फिसलकर नीचे गिर पड़ा। वह गाड़ी और प्लेटफॉर्म के बीच फंसकर घिसटने लगा। उसी दौरान सिपाही दौड़कर उसकी तरफ पहुंचा और लोगों की मदद से उसे खींचकर बाहर निकाल लिया।

दिल्ली की रामलीलाओं में इस बार नए प्रयोग, जेन जी, बच्चे और महिलाएं निभाएंगे अहम भूमिका

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। राजधानी की रामलीला इस बार सिर्फ रामकथा का मंचन नहीं, बल्कि बदलते दौर की तस्वीर भी पेश करेगी। परंपरा के मंच पर जेन जी की नई सोच, बच्चों की रचनात्मकता, मातृशक्ति का दम और क्षेत्रीय भाषाओं की मिठास एक साथ नजर आएगी। कहीं युवा पीढ़ी रामलीला की कमान संभालती दिखेगी तो द्वारका में 5300 बच्चे कठपुतली बनकर लाइव रामलीला पेश करेंगे। खास बात यह है कि इस बार भरवादी भाषा में भी रामलीला का मंचन होगा, जबकि इंद्रप्रस्थ रामलीला में महिलाओं की भागीदारी और भूमिका को खास तवज्जो दी जाएगी। यानी इस बार राजधानी की रामलीलाएं सिर्फ मंच पर पात्र नहीं बदलेगी, बल्कि प्रस्तुति का अंदाज भी बदलेगा।

आयोजकों ने सदियों पुरानी रामकथा को नई पीढ़ी से जोड़ने के लिए तकनीक, नए कलाकारों, बच्चों और महिलाओं की भागीदारी का सहारा लिया है। ऐसे में दिल्ली की रामलीलाओं में इस बार परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

ई-वेस्ट कारोबारी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। भजनपुरा थाना क्षेत्र स्थित सुभाष विहार में शनिवार देर रात स्कूटी सवार दो बदमाशों ने एक ई-वेस्ट कारोबारी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में कारोबारी बाल-बाल बच गए। हालांकि, उनके घर की बालकनी का कांच टूट गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित 33 वर्षीय नावेद अंसारी ने पुलिस को बताया कि वह गली नंबर-16, सुभाष विहार में परिवार के साथ रहते हैं। वह इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट रीसाइक्लिंग का काम करते हैं। तीन अक्तूबर की रात करीब 2-40 बजे घर के बाहर शोर-शराबा सुनकर वह बालकनी में पहुंचे तो हेलमेट पहने दो स्कूटी सवार बदमाश सड़क पर खड़े दिखे। कारबारी को देखते ही आरोपी गोलियां चलावे लगे।

गोली सीधे उनकी रेलिंग के कांच पर लगी। जान बचाने के लिए नावेद तुरंत अंदर छिप गए। इसके बाद भी बदमाशों ने कई राउंड फायर किए और दहशत फैलाकर नूर-ए-इलाही मेन रोड की तरफ फरार हो गए। वारदात के तुरंत बाद पीड़ित ने पीसीआर को सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की स्कूटी का नंबर निकाला है। पुलिस मामला नष्ट करके स्कूटी नंबर के आधार पर हमलावरों की तलाश कर रही है।

दिल्ली की रामलीला प्रभु श्रीराम के संस्कारों

की जीवंत परंपरा: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की रामलीला हमारी आस्था, हमारी संस्कृति और पीढ़ियों से चले आ रहे प्रभु श्रीराम के संस्कारों की जीवंत परंपरा है। उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में दिल्ली की विभिन्न रामलीला समितियों के सदस्यों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी ने अपनी-अपनी रामलीला में आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष हमारी सरकार ने रामलीला आयोजनों को सुगम बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम से समयबद्ध एनओसी और उच्चस्तरीय समन्वय की व्यवस्था की थी। इस वर्ष इन्हीं व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाते हुए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। हमारे जन्मतिथिभि श्री रामलीला समितियों के साथ निरंतर संपर्क में रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रभु श्रीराम की कथा पुरे गौरव और भव्यता से गुंजे, रामलीलाओं का आयोजन सुगम और सनातन की यह पुण्य परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी और सशक्त रहे। इसके लिए दिल्ली सरकार रामलीला समितियों के साथ सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि राम हमारी आस्था हैं, हमारे आदर्श हैं और भारत की आत्मा हैं। उत्प्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली में आगामी दिनों में मनाए जाने वाले पर्व रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा के लिए तीन

दिल्ली के कीर्ति नगर में एसयूवी की टक्कर से बुजुर्ग दंपति घायल, वाहन चालक गिरफ्तार



नयी दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली के कीर्ति नगर में आर्य समाज मंदिर के पास एसयूवी की चपेट में आने से एक बुजुर्ग दंपति घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, घटना दो अक्टूबर को हुई, जिसके बाद कीर्ति नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि घायल कुसुम तारा (71) और उनके पति दयानंद तगरा (79) उपवाराधीन हैं और दोनों की हालत में सुधार हो रहा है। आरोपी चालक नवलीन कौर (49) को गिरफ्तार कर लिया गया है और दिल्ली के पंजीकरण नंबर वाली एसयूवी को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि घायल कुसुम तगरा और उनके पति दयानंद तगरा उपवाराधीन हैं और दोनों की हालत में सुधार हो रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

शकूर बस्ती स्टेशन में एफओबी बंद, ट्रैक से प्लेटफॉर्म पाक कर रहे यात्री

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। पश्चिमी दिल्ली स्थित शकूर बस्ती रेलवे स्टेशन पर पुराना फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) बंद होने के चलते बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों को इसके चलते सामान लेकर लगभग 300 मीटर अतिरिक्त चलना पड़ रहा है। इसलिए बड़ी संख्या में यात्री जान जोखिम में डालकर ट्रैक के माध्यम से ही प्लेटफॉर्म पार कर रहे हैं। इसे लेकर रेलवे अधिकारियों को भी लिखित रूप में लोगों द्वारा शिकायत भेजी गई है। उनका कहना है कि त्योहारों के समय यात्रियों की

दिल्ली के कालिंदी कुंज में वीडियो को लेकर ननद-भाभी में झगड़ा कूदने के दौरान दोनों घायल

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में एक वीडियो को लेकर हुई बहस के बाद एक महिला कथित तौर पर बालकनी से कूद गई जबकि उसकी ननद घर के शाफ्ट में कूद गई।

पुलिस ने बताया कि यह घटना जैतपुर एक्सप्रेसजन पार्ट-क्क खड्डा कॉलोनी के डी ब्लॉक में हुई। इसके बाद कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन को एक पीसीआर कॉल मिली कि एक महिला ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को हुई, जब रुबिया और फातिमा (नाम बदले गए हैं) के बीच बहस हो गई। बहस तब शुरू हुई जब उनमें से एक ने दूसरी का वीडियो बनाया और उसे किसी और को भेज दिया।

जब कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन की टीम और दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तो पता चला कि 25 साल की रुबिना नामक महिला पहली मंजिल से सड़क की तरफ कूद गई थी और उसे चोटें आई थीं। उसे पहले स्थानीय अस्पताल फेलिज ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए पीसीआर गाड़ी से एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया।

पुलिस ने बताया कि दूसरी महिला, 24 साल की फातिमा ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फिर घर के शाफ्ट (खुले हिस्से) में कूद गई। अधिकारियों ने कमरा खोला और उसे शाफ्ट के अंदर पाकर बचाव अभियान शुरू किया। पुलिस ने बताया कि स्टेशन ऑफिसर राकेश सिंह की

दिल्ली



अलग-अलग विशेष समितियों का गठन किया गया है। ये समितियां संबंधित पर्वों के लिए स्थानों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के साथ-साथ आयोजन स्थलों पर आवश्यक नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, बिजली, चिकित्सा तथा

अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

दिल्ली में आयोजित होने वाली रामलीलाओं के लिए स्थानों और तैयारियों की समीक्षा तथा उन्हें अंतिम रूप देने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष

नई दिल्ली, सोमवार 05 अक्टूबर 2026 03

दिल्ली के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सहकारिता एवं निवाचन मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह बनाए गए हैं। समिति में सदस्यों के रूप में विधायक अशोक गोयल, विधायक अनिल कुमार शर्मा, विधायक श्याम शर्मा, विधायक संजय गोंयल और विधायक संदीप सहरावत शामिल किए गए हैं। इसके अलावा सचिव, राजस्व-सह-मंडलायुक्त (डिविजनल कमिश्नर) इसके सदस्य सचिव बनाए गए हैं। समिति का प्रमुख दायित्व संबंधित जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के माध्यम से सिंगल विंडो सिस्टम के तहत आवश्यक एनओसी जारी करवाना है। इसके साथ ही रामलीला स्थलों पर पीने के पानी, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस सेवा, अग्निशमन सेवा, सुरक्षा, मोबाइल शौचालय, यातायात प्रबंधन, सफाई और फॉगिंग आदि की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी समिति के दायरे में है। समिति आयोजन स्थल पर बिजली कनेक्शन तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगी।

यह समिति रामलीला आयोजनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, वोकल फॉर लोकल, स्वच्छता, जल संरक्षण, स्वदेशी, नशा मुक्त भारत अभियान तथा सार्वजनिक महत्व के अन्य विषयों से जुड़े संदेशों को बढ़ावा देने पर भी काम करेगी। इसके अतिरिक्त समिति आवश्यकता के अनुसार किसी अन्य विषय या मुद्दे को भी अपने कार्यक्षेत्र में शामिल कर सकती है।

आंखें मूंदकर नहीं बैठ सकते हैं, दिल्ली मेट्रो निर्माण में पेड़ों को नुकसान पर हाईकोर्ट

शिकायत पर नहीं हुई कार्रवाई

याचिकाकर्ता का दावा है कि भूमिगत निर्माण के लिए बनाई जा रही सीमा के दौरान कई पेड़ों को नुकसान पहुंचाया गया है। इनमें पुराने और बड़े पीपल के पेड़ भी शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पेड़ों की अवैध कटाई और उन्हें नुकसान पहुंचाने की शिकायत संबंधित अधिकारियों से की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता अर्पित भार्गव को शिकायत पर सुनवाई करते हुए अदालत ने डीडीए, डीएमआरसी और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने कहा कि अधिकारी इस मामले में आंखें मूंदकर नहीं बैठ सकते हैं। जल्दत के हिसाब से ही चीजों को हटایा जाना चाहिए।

6 अक्तूबर को सुनवाई

जस्टिस जसमीत सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए अधिकारियों से जवाब दाखिल करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 6 अक्तूबर को होगी। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अर्पित

प्रदर्शन के दौरान तीन पत्रकारों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करेगी अपराध शाखा

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। नई दिल्ली में 3 अक्टूबर को प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए।

इसके लेकर आम आदमी पार्टी (आआप) ने संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए इन्हें अपराध शाखा को सौंप दिया है।

आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक सोरभ भारद्वाज और पार्टी कार्यकर्ताओं ने आज संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों से कथित यौन उत्पीड़न के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। सोरभ भारद्वाज ने कहा कि पुलिस थाने और अस्पताल 24 घंटे खुले रहने चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस थाने को कैसे बंद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि

कोई व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने और जवाबदेही मांगने आए और पुलिस थाना ही बंद कर दिया जाए, यह उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि थाने की ओर जाने वाले सभी रास्ते भी बंद कर दिए गए हैं।

अपराध शाखा को सौंप दिया गया

आआपा विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि शिकायत कहां ली गई है और अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज कराना लोगों का अधिकार है और अदालत भी इस अधिकार को मानती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या हर व्यक्ति को न्याय पाने के लिए प्रदर्शन करना पड़ेगा। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 3 अक्टूबर को नई दिल्ली क्षेत्र में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान, कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। नई दिल्ली जिला प्रशासन को उनकी शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं और निष्पक्ष जांच के लिए इन्हें अपराध शाखा को सौंप दिया गया है।

स्टील की रॉड समेत अन्य सामग्री को मशिनों से काटने और तैयार करने का काम किया जा रहा है। इससे धुआं, धूल और अन्य प्रदूषक निकल रहे हैं। ये प्रदूषक आसपास मौजूद पुराने पेड़ों की पत्तियों और जमीन पर जमा हो रहे हैं, जिससे पेड़ों को नुकसान पहुंच रहा है।

हरित क्षेत्र पर पड़ रहा प्रतिकूल असर

याचिका में कहा गया है कि निर्माण कार्य के कारण घर के पीछे मौजूद पुराने पेड़ों और हरित क्षेत्र पर लगातार प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यह दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम का प्रावधान है का उल्लंघन भी हो सकता है। याचिकाकर्ता ने अदालत से निर्माण के दौरान पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को रोकने और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की है।

रेल यात्रियों को केवल 50 मीटर चलना पड़ता था, जिससे अपना सामान लेकर आसानी से प्लेटफार्म तक पहुंच जाते थे। लेकिन नए एफओबी तक जाने के लिए उन्हें कम से कम 300 मीटर सामान लेकर चलना पड़ता है। ऐसे में बुजुर्ग, महिलाएं एवं बच्चे इतनी दूर चलने की जगह अपनी जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक के रास्ते ही प्लेटफॉर्म पार कर रहे हैं। यात्रियों ने रेलवे को भेजी गई शिकायत में कहा है कि पुराने एफओबी को फिर से खोला जाए ताकि लोगों को ट्रैक पर न जाना पड़े।

(खासतौर से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए परेशानी हो रही है। नया एफओबी मुख्य प्रवेश द्वार से दूर होने के चलते यात्री सक्रिय रेलवे ट्रैक को पार कर रहे हैं। यहां कई महिलाएं एवं बच्चे भी रेलवे ट्रैक के रास्ते प्लेटफॉर्म पर जाते हुए देखे जा रहे हैं।

यात्रियों की शिकायत

रेलवे अधिकारियों को भेजी गई शिकायत में यात्रियों की तरफ से लिखा गया है कि पुराने फुट ओवर ब्रिज से आने जाने में

दिल्ली के स्वास्थ्य और पर्यावरण का उत्सव है राहगिरी: आशीष सूद

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। कर्नॉट प्लेस में रविवार को आयोजित राहगिरी डे और संडे ऑन साइकिल में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि राहगिरी केवल व्यक्तिगत फिटनेस की पहल नहीं, बल्कि दिल्ली के स्वास्थ्य और कल्याण का उत्सव है। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग प्रदूषण कम करने के साथ शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम है। कर्नॉट प्लेस के इनर सर्कल में आयोजित कार्यक्रम में आशीष सूद ने एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) अजय चौधरी और राहगिरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक सारिका पांडा भट्ट के साथ साइकिल रैली को रवाना किया। सूद ने कहा कि कर्नॉट प्लेस को वाहन-मुक्त कर

तीन महिला पत्रकारों का पुलिसकर्मियों पर अमद्रता का आरोप

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। संसद मार्ग इलाके में शनिवार को एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर अभद्र हरकतें करने का आरोप लगाया है। महिला पत्रकारों ने संसद मार्ग थाने में शिकायत दी, जिसे क्राइम ब्रांच में आगे की जांच के लिए भेज दिया गया है। अब क्राइम ब्रांच की टीम पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। जानकारी के अनुसार, तीन महिला पत्रकार प्रदर्शन के दौरान अपने यूट्यूब चैनल के वीडियो बना रही थीं। तीनों का आरोप है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और उनके साथियों ने अभद्र हरकतें की।



साइकिलिंग, योग, जुंबा, स्केटिंग, बैडमिंटन, रस्साकशी और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराया गया। इससे नागरिकों को हर रविवार पैदल चलने, साइकिल चलाने और स्वस्थ सामुदायिक गतिविधियों के लिए सार्वजनिक स्थानों को फिर से इस्तेमाल करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार शहर में समर्पित साइकिल ट्रैक विकसित करने के लिए प्रयास

महिला पत्रकार से छेड़छाड़ के खिलाफ सीजेपी ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर (वेब वार्ता)। एसपी विवेक मगत पर महिला पत्रकार से कथित छेड़छाड़ के आरोपों के मामले में कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने विरोध जताया है।

सीजेपी के प्रवक्ता सोरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर दावा किया कि पुलिस पीड़िता से मिलने को तैयार नहीं है।

अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली इलाके में विरोध प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति के बीच तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए।

नई दिल्ली जिला पुलिस को तीनों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं और निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच के लिए इन्हें क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतों की जांच क्राइम ब्रांच करेगी। मामले में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अजन्मी बेटियों के मोक्ष की कामना को सरसैया घाट पर हुआ अनूठा आयोजन

धरती से माताओं ने पुकारा—बेटियों, स्वीकारो जलदान हमारा

वेब वार्ता, कानपुर। पुत्रमोह के कारण गर्भ में ही मार दी गई अजन्मी बेटियों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना को लेकर रविवार को सरसैया घाट पर मातृशक्ति ने महातर्पण किया। युग दधीचि देहदान संस्थान के बैनर तले आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम में 40 से अधिक महिलाओं ने पिंडदान और तर्पण कर कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ संदेश दिया।

आयोजन का दृश्य भावुक कर देने वाला था। मानो स्वर्ग की खिड़कियों से वे अजन्मी बेटियां धरती की ओर देख रही हों, जिन्हें समाज ने जन्म लेने से पहले ही छीन लिया। माताओं ने उन्हें जल अर्पित करते हुए उनके मोक्ष की कामना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व महापौर फैटन जगतवीर सिंह द्रोण ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि विधायक नीलामा कटिया ने कहा कि यह आयोजन केवल अजन्मी बेटियों के लिए तर्पण नहीं, बल्कि कन्या भ्रूण हत्या



जैसी सामाजिक कुरीति का भी तर्पण है। बेटियों को जन्म लेने और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार मिलना चाहिए। समारोह संयोजक मनोज सेंगर एवं माधवी सेंगर ने अतिथियों का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। मुख्य पूजन राज्य

महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता एवं पूनम द्विवेदी ने किया। कलश पूजन नंदिता मिश्रा एवं सुमित मिश्रा ने किया। देवपूजन डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डॉ. अलका दीक्षित, गीता बाजपेई एवं साधना महाना ने किया। पितृ पूजन पं.

शेषनारायण त्रिवेदी ह्यपणू भैयाळ एवं डॉ. वीसी रस्तोगी ने कराया। गायत्री परिवार की पुष्पलता अवस्थी और उनकी सहयोगी बहनों ने भी तर्पण में भाग लिया। डॉ. प्रतिभा बंधु, कामिनी दास,

पुष्पलता मिश्रा, रमा राय, विमल राय, अंबिका श्रीवास्तव, सीमा अग्रवाल, प्रीति मिश्रा, कु. छाया, कु. गौरी, कु. श्रेया, सरला शुक्ला समेत 40 से अधिक महिलाओं ने अजन्मी बेटियों के लिए पिंडदान एवं तर्पण किया।

अमर शहीदों और देहदानियों को भी किया नमन कार्यक्रम में अमर शहीदों एवं दिवंगत देहदानियों के लिए भी तर्पण किया गया। आयोजकों ने कहा कि जिन लोगों ने समाज और राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित किया, उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण करना भी हमारा दायित्व है।अंत में पितरों की महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम के स्वागतार्थ्यक्ष अनिल राय एवं सुधीर महाना रहे। आयोजन में संजय भारती, रवि तिवारी, पं. सुमित मिश्रा गोल्डी, पीयूष, गौतम, अभिषेक, दीपक, शांतिभूषण यादव, उत्कर्ष एवं रिमझिम का विशेष सहयोग रहा।

ब्याज और गन्ना मूल्य को लेकर किसान युवा संसद नै उठाई आवाज



पश्चिमी उत्तर प्रदेश को गन्ना पट्टी में किसानों के तीन दशक पुराने लंबित ब्याज, गन्ना मूल्य वृद्धि के सवाल पर किसान सियासत गर्माई, 'किसान युवा संसद' ने राजनीतिक दलों की नीयत पर सवाल उठाए। आगामी छह अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली अहम सुनवाई से पहले भगतपुर रामवती इंटर कॉलेज में आयोजित 'किसान युवा संसद' में सरकार और प्रमुख राजनीतिक दलों के रवैये पर कड़े सवाल उठाए गए। 'किसान युवा संसद' ने साफ चेतावनी दी है सावधान नेता एवं राजनीतिक दलों।

किसान मन बना चुके हैं, जो भी नेता अब वोट मांगने आएगा, उससे ब्याज और गन्ना मूल्य का हिसाब लिया जाएगा। किसान यह भी

हिसाब मांगेंगे कि राजनीतिक दलों ने ब्याज व गन्ना मूल्य वृद्धि के मामले में किसानों के पक्ष में स्टैंड लिया या खिलाफ, तथा इसी कड़ी में ब्याज नहीं तो वोट नहीं का सीधा नारा बुलंद किया गया है।

भारतीय किसान यूनियन (संयुक्त मोर्चा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि किसानों के वैधानिक अधिकार का मामला कोर्ट में है, लेकिन सत्ता और विपक्ष दोनों का मौन बेहद चिंताजनक है। वक्ताओं ने तंज कसा कि चुनाव में हितैषी बनने वाले दल अब चामोश हैं जबकि 'आप' सांसद संजय सिंह के अलावा किसी ने इसे प्रमुखता से नहीं उठाया। ब्याज के साथ ही पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ने का भाव कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल तय करने की मांग भी पुरजोर दंग से उठाई गई। भारतीय किसान यूनियन (संयुक्त मोर्चा) का कहना है कि वर्तमान में कोल्हू-क्रेशर पर गन्ने की खरीद 490 से

500 रुपये तक हो रही है, जबकि 2025-26 का एसएपी अगैती के लिए 400 व सामान्य प्रजाति के लिए 390 रुपये रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले गन्ना मूल्य, ब्याज भुगतान और किसानों की आय का यह मुद्दा बड़ा राजनीतिक मोड़ लेता दिख रहा है। किसान युवा संसद ने ब्याज की किसानवार गणना का रिकार्ड सार्वजनिक करने, समय पर भुगतान, एमएसपी, सिंचाई और बीज-खाद से जुड़े मुद्दों पर गांव-गांव अभियान चलाने का फैसला लिया है, जबकि छह अक्टूबर की सुनवाई के बाद आगे के आंदोलन की नई रणनीति का ऐलान किया जाएगा।

मानदेय और सुविधाएं बढ़ाने की मांग, संगिनियों ने दिया ज्ञापन

वेब वार्ता, कन्नर खान

गैसडी / बलरामपुर। स्थानीय समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैसडी के प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सिंगिनी कार्यकर्त्रियों ने समूहिक रूप से 6 सुखी ज्ञापन संबोधित मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन लखनऊ का प्रभारी समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैसडी अधीक्षक डॉ सुरेंद्र कुमार को सौपा है मांग पत्र में सिंगिनियों ने जिक्र करते हुए कहा है

कि 22 अक्टूबर 2026 को इको गार्डन प्रांगण लखनऊ में शांतिपूर्वक दंग से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल से सम्मिलित होने व मुख्य मांगे सिंगिनी माह में 24 आशाओं पर 24 दिन कार्य कर रही हैं जिसे बढ़ाकर 30 दिन का मानदेय सुविधा व सम्मानजनक वेतन दिए जाने , सिंगिनी 40 किलोमीटर दूरी तय करके सुपरविजन का कार्य करती हैं लेकिन भुगतान केवल तीन सौ रुपए प्रति विजिट ही दिया जा रहा है जिसे बढ़ाकर सात सौ रुपए प्रति विजिट किये जाने,

सिंगिनी स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं इसलिए राज्य स्वास्थ्य कर्मचारी का दर्जा देते हुए 20% वार्षिक बढ़ोतरी की जाए , किसी भी सिंगिनी की मृत्यु होने पर आश्रित को नौकरी व 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिये जाने , यदि किसी सिंगिनी के पेमेंट में कटौती की जाती है तो उसकी लिखित सूचना के रूप में सिंगिनी को देनी चाहिए अकारण पेमेंट में कटौती न की जाए , साथ ही मोबाइल रिचार्ज 250 रुपए से बढ़कर 399 रुपए किए जाने की मांग की है ।

संक्षिप्तवार्ता पुलिस अधीक्षक देवरिया ने प्रभारी निरीक्षक खुखुन्दू व दो आरक्षीगण को किया निलम्बित

वेब वार्ता, देवरिया

पुलिस अधीक्षक अभिजित आर . शंकर ने प्रभारी निरीक्षक थाना खुखुन्दू राहुल सिंह एवं थाना खुखुन्दू पर नियुक्त आरक्षी (मुहर्निर) गুল्लुर प्रसाद व रिफूट आरक्षी अंगद यादव को एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत गिरफ्तार अभियुक्त के हवालात में फांसी लगा लेने व मृत्यु हो जाने के सम्बन्ध में अपने पदेन राजकीय कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही,उदासीनता एवं स्वेच्छाविरता बरतने के आरोप में निलबित किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संस्थित की गयी है।

बूथ मजबूत तो संगठन मजबूत, हर कार्यकर्ता निभाए अपनी जिम्मेदारी : ठाकुर रामवीर सिंह

वेब वार्ता, मुरादाबाद

आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं बूथ स्तर की तैयारियों को धार देने के लिए रविवार को ब्लॉक सभागार कुंदरकी में मंडल कुंदरकी एवं मंडल रतनपुर कला की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने ग्राम संयोजकों, ग्राम प्रभारियों एवं बूथ प्रभारियों के साथ संगठन की आगामी कार्ययोजना पर मंथन किया। विधायक रामवीर सिंह ने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके बूथ और समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। बूथ जितना मजबूत होगा, संगठन उतना ही सशक्त होगा। इसलिए प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने दायित्व को पूरी निष्ठा और सक्रियता से निभाते हुए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा आमजन से निरंतर संवाद बनाए रखने का कार्य करे। उन्होंने नवीन दायित्व प्राप्त करने वाले पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नया दायित्व केवल सम्मान नहीं, बल्कि संगठन के प्रति बड़ी जिम्मेदारी भी है। सभी कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ संगठन की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में जुटें। बैठक के दौरान विधायक रामवीर सिंह ने उपस्थित ग्राम संयोजकों, ग्राम प्रभारियों एवं बूथ प्रभारियों को गमछा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद वीर सिंह, मंडल अध्यक्ष कुंदरकी संजय करश्य, मंडल अध्यक्ष रतनपुर कला बबलू जाटवरा सहित संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा एवं सरकारी दस्तावेज शिविर के आयोजन मे सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

वेब वार्ता, लखनऊ

जरूरतमंद वार्ों तक बुनियादी स्वास्थ सुविधाओं और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच आसान बनाने के उद्देश्य से ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन ने जकात एंड बेरिटबल फाउंडेशन के सहयोग से इरादत नगर, डालीगंज में नि:शुल्क चिकित्सा एवं सरकारी दस्तावेज शिविर का आयोजन किया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और चिकित्सा जांच, नि:शुल्क दवाइयों, स्वास्थ संबंधी प्राथमिक जांच तथा विभिन्न सरकारी सुविधाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। चिकित्सा शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की जांच की तथा मरीजों की आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श के साथ नि:शुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराईं। इसके अतिरिक्त ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच की भी व्यवस्था की गई, जिसका क्षेत्र के लोगों ने भरपूर लाभ उठाया।

देवरिया में पुलिस हिरासत में आरोपी की हुई मौत

वेब वार्ता, देवरिया

देवरिया जिले के खुखुन्दू थाना क्षेत्र में डीसीएम से लगभग डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद होने के बाद हिरासत में लिए गए चालक की शनिवार सुबह सँदिध परिस्थितियों में मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर पुलिस उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में ले गयी जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को देवरिया की तरफ से एक डीसीएम खुखुंदू चौराहे पर पहुंची

इलाज हेतु हॉस्पिटल ले जाया गया है

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक देवरिया अभिजित आर शंकर ने बताया कि आज शनिवार को जनपद देवरिया के थाना खुखुन्दू द्वारा सूचना दी गयी कि 08.30 बजे के लगभग हवालात में दाखिल मुल्तियन द्वारा फांसी का फंदा लगाया गया है, तुरंत ही उनको पुलिस द्वारा इलाज हेतु हॉस्पिटल ले जाया गया । जहाँ पर उनको डॉक्टर द्वारा मृत घोषित किया गया है। डाक्टर मुल्जिम का नाम बृजपाल सिंह पुत्र कैलाश सिंह निवासी थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा का है, जिनको कल दो अक्टूबर को खुखुन्दू पुलिस द्वारा मु.अ.सं. 248/26 अंतर्गत थारा 8/20 ठउडहर एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। प्रस्तुत मामले में शव का पंचायतनामा मजिस्ट्रेट द्वारा आज भरा जायेगा एवं उनका पोस्टमार्टम डॉक्टरस के पैनल द्वारा वीडियोग्राफी के अंतर्गत किया जायेगा। पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

थी। पुलिस को देखकर चालक वाहन को नूनखाब मार्ग की तरफ तेज रफ्तार में लेकर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने पीछा

किया। खुखुंदू थाने से कुछ दूर आगे बैरौकेडिंग कर डीसीएम को रोक लिया गया। वाहन रुकते ही चालक समेत उसमें मौजूद लोग भागने लगे।

पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ लिया। डीसीएम की तलाशी में अंदर छिपाकर रखा करीब डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद किया।

पुलिस के अनुसार जिले के खुखुंदू थाना परिसर में खुखुन्दू थाना क्षेत्र में डीसीएम से करीब डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद होने के बाद हिरासत में लिए गए चालक की शनिवार सुबह सँदिध परिस्थितियों में मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर पुलिस उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बृजपाल सिंह एवं विक्की, उम्र 38 वर्ष, निवासी सोनडाला फरीदपुर, थाना अमरोहा देहात, जिला अमरोहा के

रूप में हुई। मौत की सूचना पर परिजन भी मेडिकल कॉलेज पहुंचे और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की।

पुलिस ने बताया कि डीसीएम लेकर बृजपाल सिंह असम के बरपेटा जिले से आया था। वहां डीसीएम में ब्रान लोड किया गया था, जिसके लिए करीब 28 हजार रुपये दिए जाने की जानकारी मिली है। आशंका जताई जा रही है कि ब्रान की आड़ में गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा था।

गैसडी / बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर मार्टंड प्रकाश सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पंडेय तथा क्षेत्राधिकारी अम्य प्रताप मल्ल के पर्यवेक्षण में थाना राजकुमार पांडे थाना कोतवाली गैसडी के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत एंटी रोमियो टीम/ मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम मझौली में समूहिक रूप से बहू बेटी सम्मेलन कर सभी महिलाओं को मिशन शक्ति के अंतर्गत आने वाली विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाएं जैसे कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आदि की जानकारी दी गई तथा सभी महिलाओं को महिला अपराध महिला हेल्स, लैंगम उर्वीजन, आदि के बारे में बताया गया तथा साइबर अपराधों जैसे डकठ शेरिंग,लकी फ्रा ड्राइव कॉल, स्मॉर्ट एडिटिंग वीडियो कॉल बैंकिंग फ्राँड,पेंशन धोखाधडी आदि से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया। 11090, यूपी आपाकालीन 112, एलुलेसे सेवा 102/108, महिला हेल्पलाइन 181 व साइबर हेल्पलाइन नं० 1930/155260, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नं० 1076 व भाकट पेदायों के संकेत व उनसे होने वाले दुष्प्रणिाओं के संबंध में व यातायात नियमों के बारे में, बाल विवाह तथा दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों के बारे में जागरूक किया गया।

●●●●●

वेब वार्ता, लखनऊ। जस्टिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राशिद जमील खान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लगभग 37 साल से उत्तर प्रदेश का मुसलमान मुलायम सिंह उसके बाद अखिलेश यादव को वोट दे रहा है उनका पैसा दे रहा है उनके लिए कुर्बानियां दे रहा है लेकिन हमेशा से चाहे मुलायम सिंह यादव हो मुसलमान के वोटो से मुसलमान से घृणा करने वाले उनको अपमानित करने वाले उनकी मस्जिदों को गिराने वाले लोगों को मुसलमान को वोटो से राज्यसभा लोकसभा विधानसभा भेजने का काम करते रहे हैं इसी क्रम में 2022 में अखिलेश यादव ने चुनाव से पहले हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंहजिन्होंने बयान दिया था मुस्लिम महिलाओं को कब्र से निकालकर उनके साथ प्ये करी सुनील सिंह को स्वयं अपने हाथों से समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाने का काम किया 2022 में मुसलमानो ने आजादी के बाद सबसे



ज्यादा वोट समाजवादी गठबंधन को दिया था चुनाव के बाद इस गठबंधन का एक पार्टी ओमप्रकाश राजभर अपने विधायकों के साथ भाजपा में चले गए और आज प्रदेश सरकार में मंत्री हैं और मुसलमान के खिलाफ अनजान शनाप अक्सर बकते रहते हैं इसी तरह से कई विधायक समाजवादी पार्टी के भारतीय जनता पार्टी में चले गए हैं मंत्री बने हुए हैं जैसे कि मनोज पांडे और अभी राज्यसभा के चुनाव में रामगोपाल यादव को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया गया है अमित शाह

के करीबी परिमल नाथवानी जो बीजेपी के सहयोग से राज्यसभा चुने गए हैं जो कि मुकेश अंबानी की भी बहुत करीबी है मुकेश अंबानी अदानी जैसे लोगों ने अपनेवैनलों के जरिए मुसलमान के खिलाफ पूरे देश के अंदर नफरत का माहौल बनाया जिस की वजह से मुसलमान का जीना इस मुल्क में दुश्वार हो गया मुसलमान की माबलिवग उनके घरों पर हमला आज आम बात हो गई है परिमल नाथवानी के बेटे धनराज नाथवानी को समाजवादी पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया मुझे उम्मीद है तीसरा उम्मीदवार भी कोई बीजेपी का ही आदमी होगा मुलायम सिंह ने मुसलमान के वोट से साक्षी महाराज जिन्होंने बाबरी मस्जिद पर पहले फड़वा मारा था उनको और बनवारी लाल कंछल जोकि भारतीय जनता पार्टी के व्यापार परकोस्ट के प्रदेश अध्यक्ष से थे और 6 दिसंबर 1991 6 दिसंबर 1992 लखनऊ में कर सेवकों की सेवा करने का काम इन्ही के जिम्मे था

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा सेतु अभियान का आयोजन

वेब वार्ता, कुशीनगर। भारतीय



तथा शासन को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद पडरौना जनसुविधाओं

सुविधाओं का लाभ दिलाने की गई प्रक्रिया

सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत आवास, पेंशन, आयुष्मान भारत, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, आम प्रमाण पत्र सहित विभिन्न जनसुविधाओं एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां नगरवासियों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सेवाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया की गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कृषि सहित अन्य संबंधित विभागों के स्टॉल भी लगाए गए, जिनके माध्यम से लोगों को विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई।

विधायक, कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने भी अपने संबोधन में जनसेवा एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा करते हुए उपस्थित

जिला मंत्री सुशील शर्मा, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष भुवनेश्वर त्रिपाठी, देवेश मिश्रा, विष्णु जायसवाल, वृजेश शर्मा, आकाश वर्मा, सचिन शाह, गौतम गुप्ता, सागर जायसवाल, अमित त्रिपाठी सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर पालिका परिषद पडरौना द्वारा आयोजित इस अभियान के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और नगरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए सेवा वरिष्ठ भाजपा नेता बंका सिंह, जिला मंत्री विश्वरंजन आनंद, पिछड़ा मोर्चा

ग्राम मझौली में मिशन शक्ति के तहत बहू बेटी सम्मेलन आयोजित

वेब वार्ता, कन्नर खान

गैसडी / बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर मार्टंड प्रकाश सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पंडेय तथा क्षेत्राधिकारी अम्य प्रताप मल्ल के पर्यवेक्षण में थाना राजकुमार पांडे थाना कोतवाली गैसडी के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत एंटी रोमियो टीम/ मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम मझौली में समूहिक रूप से बहू बेटी सम्मेलन कर सभी महिलाओं को मिशन शक्ति के अंतर्गत आने वाली विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाएं जैसे कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आदि की जानकारी दी गई तथा सभी महिलाओं को महिला अपराध महिला हेल्स, लैंगम उर्वीजन, आदि के बारे में बताया गया तथा साइबर अपराधों जैसे डकठ शेरिंग,लकी फ्रा ड्राइव कॉल, स्मॉर्ट एडिटिंग वीडियो कॉल बैंकिंग फ्राँड,पेंशन धोखाधडी आदि से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया। 11090, यूपी आपाकालीन 112, एलुलेसे सेवा 102/108, महिला हेल्पलाइन 181 व साइबर हेल्पलाइन नं० 1930/155260, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नं० 1076 व भाकट पेदायों के संकेत व उनसे होने वाले दुष्प्रणिाओं के संबंध में व यातायात नियमों के बारे में, बाल विवाह तथा दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों के बारे में जागरूक किया गया।

●●●●●

●●●●●

●●●●●

महत्वपूर्ण ख़बर

नाबालिग ने बच्चे को दिया जन्म

■ भिलाई। धमधा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी के नवजात को जन्म देने के बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया है। किशोरी ने आरोप लगाया है कि एक नाबालिग युवक ने शादी का भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाए थे।

अब बच्चे के जन्म के बाद युवक नवजात को अपना मानने से इनकार कर रहा है। शिकायत के बाद पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत केस पहचान एक नाबालिग युवक से हुई थी। युवक का उसके गांव में रहने वाले एक पड़ोसी के घर आना-जाना था। इसी वजह से दोनों की मुलाकात होने दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर में पति बना हैवान, गर्भवती पत्नी पर लोहे की रॉड से किया हमला

■ बिलासपुर। हिर्री थाना क्षेत्र के ग्राम बौड़सरा में पारिवारिक विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। चरित्र शका को लेकर एक पति ने अपनी गर्भवती पत्नी पर रॉड से हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच के दौरान डॉक्टरों ने गर्भ में पल रहे बच्चे को मृत घोषित कर दिया। महिला की हालत नाजुक होने पर उसे रायपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

'दूसरी शादी करूंगी, तलाक दो...'

■ बिलासपुर। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में सरकारी शिक्षक और उसकी आरक्षक पत्नी के बीच पारिवारिक विवाद पुलिस तक पहुंच गया है। शिक्षक ने अपनी पत्नी शकुन्तला बेंजारे और सास रोहणी बाई पर मारपीट करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यूपी में सीट शेयरिंग पर सपा-कांग्रेस में खींचतान, अखिलेश बोले - बात सीट की नहीं, जीत की है

गठबंधन की जीत को सीटों के बंटवारे से ज्यादा अहम बताया

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान बढ़ती नजर आ रही है। दोनों दलों के नेताओं की ओर से एक-दूसरे को लेकर बयानबाजी जारी है। वहीं, इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर भी अभी अंतिम सहमति नहीं बन पाई है।

इस बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर अहम संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन में कितनी सीटें किस दल को मिलती हैं या कौन

सी सीट किसके हिस्से में जाती है, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि गठबंधन की जीत सुनिश्चित हो। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा, मकसद जब साफ हो तो हाथ में हाथ होता है, निगाह मंजिल पर हो तो सफर आसान होता है। उन्होंने कहा कि गठबंधन में सीटों की संख्या या सीटों का बंटवारा सबसे बड़ा मुद्दा नहीं है। असली मुद्दा यह है कि सभी मिलकर गठबंधन की जीत सुनिश्चित करें। उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा, बात सीट की नहीं, जीत की है।

अखिलेश यादव ने गठबंधन की



जीत को उसके घटक दलों से आगे की सामूहिक लड़ाई से जोड़ते हुए

कहा कि यह उन सभी लोगों की संयुक्त कोशिश की जीत होगी, जो

20 साल पुराने केस में घिरे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

केरल सरकार ने दिए जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम। केरल में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़ा करीब 20 साल पुराना मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों के निशाने पर चल रहे ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केरल सरकार ने 2006 के एक मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला उस समय का है, जब ज्ञानेश कुमार केरल के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव के पद पर कार्यरत थे।

मामला कथित प्रशासनिक अनियमितताओं और मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से जुड़ा बताया जा रहा है। ली सी बीन उस समय पीएटीआई-बीईएल कंसोर्टियम से जुड़े थे। यह कंसोर्टियम केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत एमसी रोड के अपग्रेडेशन के काम में शामिल था।

मामले से जुड़ी जानकारी के अनुसार, ली सी बीन की आत्महत्या



2006 में पीडब्ल्यूडी सचिव रहते कथित अनियमितताओं का मामला

को प्रभावित करने की कोशिश की गई। इन्हीं आरोपों को गंभीरता से लेते हुए राज्य के गृह मंत्री रमेश चैन्निथला ने विजिलेंस विभाग को पूरे मामले की गहन जांच करने के निर्देश दिए हैं।

गृह मंत्री ने विजिलेंस निदेशक से यह पता लगाने को कहा है कि क्या किसी बाहरी व्यक्ति या प्रभावशाली पक्ष ने जांच की दिशा को प्रभावित किया था। इसके अलावा यह भी जांचा जाएगा कि क्या मूल जांच प्रक्रिया को किसी स्तर पर बाधित किया गया था।

2006 में पीडब्ल्यूडी सचिव थे ज्ञानेश कुमार

यह पूरा विवाद ज्ञानेश कुमार के केरल पीडब्ल्यू सचिव के कार्यकाल से संबंधित है। उस दौरान केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के तहत एमसी रोड के अपग्रेडेशन से जुड़े काम चल रहे थे। करीब दो दशक पुराने मामले की फाइल दोबारा खुलने से तत्कालीन जांच और उससे जुड़े घटनाक्रम भी जांच के दायरे में आ गए हैं।



टॉरपीडो जार कहा जाता है।

अभियान का नेतृत्व कर रहे तमिलनाडु राज्य पुरातत्व विभाग के सलाहकार प्रोफेसर के। राजन के मुताबिक, इस तरह के जार के

अवशेष फारस की खाड़ी और ईरान के प्राचीन बंदरगाहों से जुड़े स्थलों पर भी मिले हैं। इससे संकेत मिलता है कि पूम्पुहार का पश्चिम एशिया के साथ समुद्री व्यापारिक संपर्क रहा

समुद्र में मिले 200 से ज्यादा बर्तनों के टुकड़े और रहस्यमयी संरचना

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में तमिलनाडु के समुद्र तट से दूर पुरातत्त्वविदों की टीम ने करीब तीन सप्ताह तक समुद्र के भीतर खोज अभियान चलाकर 200 से अधिक मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, टॉरपीडो जार और अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं के अवशेष खोजे हैं। पुरातत्त्वविदों के अनुसार, तमिल साहित्य और लोककथाओं में जिस प्राचीन शहर के समुद्र में समा जाने का उल्लेख मिलता रहा है, उसके संभावित अवशेष हो सकते हैं। उनका मानना है कि ये अवशेष प्राचीन पूम्पुहार या कावेरीपूम्पट्टिनम से जुड़े हो सकते हैं, जो चोल साम्राज्य का प्रमुख व्यापारिक केंद्र

और बंदरगाह माना जाता था। तमिलनाडु राज्य पुरातत्व विभाग के संयुक्त निदेशक वीपी यथोस कुमार के अनुसार, समुद्र के भीतर यह अभियान तट से करीब दो किलोमीटर दूर चलाया गया। पूम्पुहार की खोज का काम वर्ष 1981 से अलग-अलग चरणों में किया जा रहा है, लेकिन हालिया अभियान में पहली बार यहां टॉरपीडो जार के अवशेष मिले हैं। ये लंबे और संकरे आकार के प्राचीन पात्र होते हैं, जिनका इस्तेमाल संभवतः तरल पदार्थ या अन्य वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जाता था। इनके आकार के कारण इन्हें

शहीद सूबेदार मेजर का पार्थिव शरीर ले जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, चार की मौत

सुलतानपुर। चंडीगढ़ से सूबेदार मेजर सत्यवान का पार्थिव शरीर लेकर देवरिया जा रही एंबुलेंस रविवार सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गई। हलियापुर थाना क्षेत्र में किलोमीटर 79.6 के पास एक अज्ञात वाहन ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी। हादसे में एंबुलेंस सवार चार लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, हादसा रविवार सुबह करीब 8:15 बजे हुआ। एंबुलेंस से सूबेदार मेजर सत्यवान, निवासी गैला दुधिला, थाना रुद्रपुर, देवरिया का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव ले जाया जा रहा था। एंबुलेंस में उनके पुत्र गौरव सिंह,



भाई राजन चौधरी, भतीजे राम समुझ सिंह और चालक

जसपाल भी सवार थे। टक्कर इतनी तेज थी कि गौरव सिंह और चालक जसपाल को मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल राजन चौधरी और राम समुझ सिंह को उपचार के लिए पिटला कुमार्गंज स्थित अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान दोनों ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मृतकों के परिजनों की सूचना दी और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। सूबेदार मेजर सत्यवान का पार्थिव शरीर थाना परिसर में ससम्मान सुरक्षित रखा गया है।

सीबीआई के पूर्व निदेशक एम. नागेश्वर राव ने सक्रिय राजनीति में रखा कदम

काशी से की नई राजनीतिक पारी की शुरुआत, सर्वजन सनातन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की संभाली जिम्मेदारी

नई दिल्ली। सीबीआई के पूर्व निदेशक एम. नागेश्वर राव ने सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। उन्होंने काशी से अपने सार्वजनिक जीवन की नई शुरुआत करते हुए सर्वजन सनातन पार्टी (एसएसपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला है।

करीब चार दशक तक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और प्रशासन के क्षेत्र में काम करने वाले नागेश्वर राव ने कहा कि भारत का पुर्ननिर्माण केवल प्रशासनिक सुधारों के सहित नहीं हो सकता। उनके मुताबिक, आधुनिक विकास के साथ देश को अपनी सभ्यतागत और

सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सनातन केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक व्यापक दृष्टि है। इसमें सत्य, धर्म, कर्तव्य, करुणा, न्याय, आत्मसंयम, प्रकृति, परिवार, समाज और जनकल्याण जैसे मूल्यों को महत्व दिया गया है।

सर्वजन सनातन पार्टी ने अपने विजन को चार प्रमुख स्तंभों-शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सभ्यतागत पुनर्संपर्क-पर आधारित बताया है। शिक्षा के क्षेत्र में पार्टी भारतीय सभ्यता, इतिहास और ज्ञान



परंपराओं को आधुनिक एवं वैश्विक स्तर की शिक्षा से जोड़ने की बात

करती है। वहीं, स्वास्थ्य के क्षेत्र में सभी लोगों को बेहतर और सुलभ

युवाओं, किसानों और कारोबारियों के लिए रोजगार पर जोर

आजीविका के तहत पार्टी युवाओं, किसानों, कारीगरों, मजदूरों, छोटे कारोबारियों और उद्यमियों के लिए सम्मानजनक रोजगार तथा आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने की बात करती है। पार्टी के अनुसार, सभ्यतागत पुनर्संपर्क के तहत भारतीय भाषाओं, कला, मंदिरों, तीर्थस्थलों, त्योहारों, ज्ञान परंपराओं, परिवार और सांस्कृतिक संस्थाओं को राष्ट्रीय शक्ति के आधार के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।

इलाज उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। इसमें आधुनिक चिकित्सा के साथ भारतीय स्वास्थ्य परंपराओं को भी शामिल करने की बात कही गई है। पार्टी ने कहा कि उसका उद्देश्य अतीत में लौटना नहीं, बल्कि

जुड़े रहना चाहिए। नागेश्वर राव ने कहा कि सनातन को केवल चुनावी मुद्दे या प्रतीक के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक, इसके मूल्यों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, शासन, संस्कृति और सामाजिक जीवन में लागू करने की जरूरत है।

मंदिरों और तीर्थस्थलों को संस्थाओं के रूप में विकसित करने की बात

उन्होंने मंदिरों और तीर्थस्थलों को केवल पूजा के स्थान के बजाय भारतीय सभ्यता की जीवंत संस्थाओं के रूप में संरक्षित करने की जरूरत

बताई। साथ ही इन संस्थानों में सम्मान, पारदर्शिता और समाज की सार्थक भागीदारी को बढ़ावा देने की बात कही।

सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का दावा

नागेश्वर राव ने कहा कि सनातन किसी के खिलाफ नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का उद्देश्य किसी जाति या समुदाय का विरोध करना नहीं, बल्कि सभी वर्गों के लिए काम करना है। पार्टी सामाजिक विभाजन के बजाय समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर चलने की बात करती है।

बीजेपी ने सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

अखिलेश यादव के बयान पर बीजेपी ने भी पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने सपा-कांग्रेस के गठबंधन पर तंज कसते हुए इसे गठबंधन नहीं, लठबंधन करार दिया। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। उनका दावा है कि दोनों दलों के बीच स्थिति ऐसी हो गई है कि उनके नेताओं के बीच आपसी बातचीत तक नहीं हो रही।

लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह संघर्ष सांप्रदायिकता को दोबारा सिर उठाने से रोकने और लोकतंत्र, संविधान तथा आरक्षण की रक्षा के लिए है। सपा अध्यक्ष ने

देश में सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने और तरक्की व खुशहाली को आगे बढ़ाने की बात भी कही। अपने संदेश के अंत में उन्होंने लिखा, जय संविधान-जय हिंदुस्तान! राकेश त्रिपाठी ने अखिलेश

4.5 करोड़ के निवेश से हर दिन 50 हजार तक की कमाई

पुलों की जांच का है अनोखा बिजनेस मॉडल

नई दिल्ली। भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे सड़कों का नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है, जिसके साथ ही पुलों और ब्रिजों की जांच व रखरखाव की आवश्यकता भी निरंतर बढ़ती जा रही है। इसी दिशा में मोबाइल ब्रिज इंस्पेक्शन यूनित एक आकर्षक और नए बिजनेस मॉडल के तौर पर उभर रहा है। यह विशेष मशीन पुलों के नीचे और उन मुश्किल हिस्सों तक पहुंचने में मदद करती है, जहां सामान्य तरीकों से निरीक्षण करना कठिन होता है। इसकी सहायता से इंजीनियर और तकनीकी विशेषज्ञ पुल के स्ट्रक्चर, बीम और जॉइंट जैसे कई महत्वपूर्ण हिस्सों की गहराई से जांच कर सकते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और टिकाऊपन सुनिश्चित होता है। यह अत्याधुनिक मशीन मूल रूप से ऑस्ट्रेलिया से आयात की जाती है, जिसके बाद भारत में इसकी असेंबलींग करवाई जाती है। इसे टाटा या प्राइमा जैसे मजबूत भारी वाहनों के चैंसिस पर लगाया जाता है ताकि यह दुर्गम स्थानों पर भी आसानी से पहुंच सके। इस पूरी यूनित को तैयार करने में अनुमानित तौर पर 4 से 5.5 करोड़ रुपए तक का खर्चा आता है, जो



इसे एक पूंजी-गहन व्यवसाय बनाता है। एक बार तैयार होने के बाद, इस मशीन को न केवल खुद इस्तेमाल किया जा सकता है, बल्कि पुल निर्माण, हाईवे और इफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े बड़े ठेकेदारों को किराए पर भी दिया जा सकता है।

बाजार में मोबाइल ब्रिज इंस्पेक्शन यूनित का किराया प्रतिदिन लगभग 40 से 50 हजार रुपए तक होता है। यदि मशीन को महीने में औसतन 25 दिन भी काम मिलता है और प्रतिदिन 45 हजार रुपए का किराया प्राप्त होता है, तो लगभग 11.25 लाख रुपए की मासिक ग्रॉस रेंटल इनकम बन सकती है। वहीं, पूरे

साल में 300 दिन मशीन चलने पर यह आंकड़ा करीब 1.35 करोड़ रुपए सालाना तक पहुंच सकता है। हालांकि, यह केवल ग्रॉस आय है और इसमें ऑपरेटर का वेतन, डीजल, परिवहन लागत, मशीन का मटेनेंस, बीमा, टैक्स और फाइनेंस संबंधी खर्च अलग से होते हैं, जिनका हिसाब-किताब करना जरूरी है। ब्रिज इंस्पेक्शन के क्षेत्र में 2015 से सक्रिय तरुण तिवारी जैसे विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की मशीनों का इस्तेमाल देश के अलग-अलग हिस्सों में हाईवे और पुलों की जांच के लिए लगातार बढ़ रहा है।

सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अरामको पर हमला



नई दिल्ी। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में सऊदी अरामको की एक सुविधा को निशाना बनाने का दावा किया है। हतियों के अनुसार, इस हमले में बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ ज़ोन का भी इस्तेमाल किया गया। संगठन ने इसे यमन में सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई का जवाब बताया है।

रियाद में दिया घुए और आग का गुबार

रॉयटर्स के एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, शनिवार को रियाद में अरामको की सुविधा के आसपास धुएँ और आग का बड़ा गुबार दिखाई दिया। घटना के बाद इलाके में हलचल देखी गई। हालांकि, इस हमले से अरामको की सुविधा को कितना नुकसान हुआ है, इसकी फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सऊदी अरब के अधिकारियों ने अभी तक हतियों के दावे की पुष्टि नहीं की है। वहीं, सऊदी अरामको ने भी घटना पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध का तत्काल कोई जवाब नहीं दिया।

सना पर सऊदी हमलों का जवाब बताया

हूती विद्रोहियों ने कहा है कि रियाद में किया गया हमला यमन की राजधानी सना और देश के अन्य हिस्सों में सऊदी अरब की ओर से की गई सैन्य कार्रवाई के जवाब में किया गया। हतियों ने आरोप लगाया कि सऊदी हमलों में यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया था। हतियों और सऊदी अरब के बीच तनाव पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ रहा है। इसी के चलते सऊदी शहरी और ऊर्जा प्रतिष्ठानों को लेकर हमले और जवाबी कार्रवाई के दावे सामने आते रहे हैं।

अशोकनगर के अस्पताल में नवजात बच्ची की गला दबाकर हत्या



मुंह से निकला खून, गले पर मिले निशान से डॉक्टर भी हैरान

मामला संदिग्ध मानने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और मर्ग कायम कर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस नवजात की मां और दादी सहित अस्पताल में मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और आगे की कार्रवाई स्पष्ट हो सकेगी।

अशोकनगर। जिला अस्पताल के प्रसूता वार्ड में शनिवार को एक नवजात बालिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई। करीब 3 किलो 20 ग्राम वजन की बालिका के मुंह से खून निकल रहा था और उसके गले पर दबाने के निशान मिले हैं।

अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा

कोई हरकत नहीं कर पा रही थी
जानकारी के अनुसार सकुवारा गांव निवासी भावना पत्नी केदार विश्वकर्मा ने शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात जिला अस्पताल में एक बालिका को जन्म दिया था। जन्म के बाद नवजात अपनी मां के साथ प्रसूता वार्ड में पलंग पर थी। बालिका की मां भावना के अनुसार शनिवार दोपहर वह अपनी बेटी को पास में सुलाकर खुद भी सो गई थी। कुछ देर बाद जब उसकी नॉंद खुली तो बच्ची के मुंह से खून निकल रहा था और वह कोई हरकत नहीं कर रही थी।

कम बारिश से इंदौर में बदलेगी रबी की खेती

गेहूं का रकबा 30 हजार हेक्टेयर तक घटेगा; चना-सरसों की बोवनी बढ़ेगी



इंदौर। जिले में इस बार कम वर्षा का असर रबी सीजन की फसलों की बोवनी पर दिखाई देगा। पानी की उपलब्धता कम होने के कारण कृषि विभाग ने अधिक सिंचाई की जरूरत वाली गेहूं की फसल का रकबा घटाने और कम पानी में तैयार होने वाली चना व सरसों की बोवनी बढ़ाने की तैयारी की है। जिले में करीब 2.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में रबी फसलों की बोवनी होती है।

पिछले वर्ष 2.27 लाख हेक्टेयर में गेहूं बोया गया था, लेकिन इस बार इसका रकबा 25 से 30 हजार हेक्टेयर तक घटने का संभावना है।

विभाग ने गेहूं की बोवनी का लक्ष्य दो लाख हेक्टेयर के करीब रखा है। कम पानी की स्थिति को देखते हुए चना किसानों के लिए प्रमुख विकल्प रहेगा। कृषि विभाग ने इस बार चने का रकबा करीब 18 से 20 हजार हेक्टेयर तक पहुंचाने का अनुमान

लगाया है। इसी तरह तिलहन फसल सरसों की बोवनी को भी बढ़ावा दिया जाएगा। जिले में करीब पांच हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की बोवनी कराने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि बीते सीजन में सरसों का रकबा महज 15 हेक्टेयर के करीब

था। आलू और लहसुन की उपज का रकबा भी कम होने का अनुमान है।

दो पानी वाली फसल पर फोकस
कृषि अधिकारियों के अनुसार गेहूं की तुलना में चना और सरसों में

अधिकारियों और मैदानी अमले का प्रशिक्षण 30 सितंबर को

वहीं कृषि विभाग के अधिकारियों और मैदानी अमले का 30 सितंबर को प्रशिक्षण होगा। इसमें कम पानी वाली फसलों, उनकी बोवनी और उत्पादन संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद अधिकारी किसानों के बीच पहुंच जल उपलब्धता के अनुसार फसल चयन के लिए जागरूक करेंगे।

सिंचाई की जरूरत कम होती है। दोनों फसलों को सामान्य परिस्थितियों में करीब दो पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे में जिन क्षेत्रों में जलस्रोतों में पर्याप्त पानी नहीं है, वहां किसानों को इन फसलों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बीज उपलब्धता पर भी फोकस कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली किस्मों के बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग बीज कंपनियों और निमाताओं से चर्चा कर रहा है। विभाग का प्रयास है कि किसानों को समय पर उपयुक्त बीज उपलब्ध हो सके।

आलू व अन्य 19240 16000
कम पानी में भी किसानों को अच्छा उत्पादन मिले, इसके लिए संवाद की पहल शुरू कर रहे हैं। अधिकारी जिले में जाकर फसल चयन और बीज उपलब्धता की जानकारी देंगे। अधिक पानी की जरूरत वाली गेहूं फसल का रकबा कम होगा, विकल्प में सरसों और चना की जानकारी दे रहे हैं।
संदीप यादव
उप संचालक कृषि

मध्यप्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए पूरे सिंडिकेट को किया जाएगा ध्वस्त : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नशा मुक्त भारत के निर्माण के संकल्पों के अनुरूप प्रदेश में मादक पदार्थों के खिलाफ निर्माणिक लड़ाई शुरू की गई है। राज्य सरकार और पुलिस अब मादक पदार्थों, सायबर अपराध, अवैध हथियारों तथा संगठित अपराध के नेटवर्क पर सतत प्रहार कर रही है। मध्यप्रदेश को 'नशा मुक्त' बनाने के लिए पूरे सिंडिकेट को ध्वस्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के आह्वान पर मध्यप्रदेश को वर्ष 2029 तक पूरी तरह नशामुक्त बनाने के लिये हर स्तर पर सघन प्रयास किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय, के वरिष्ठ अधिकारियों



के साथ मध्यप्रदेश में कानून-व्यवस्था एवं आंतरिक सुरक्षा से जुड़े विषयों पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस को अपनी कानून व सुरक्षा व्यवस्था के कर्तव्यों का निर्वहन करतेहुए सांप्रदायिक

सौहार्द बनाए रखना चाहिए और समाज को भी इसके लिए निरंतर प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक हाविकसित भारततह के लक्ष्य की प्राप्ति में मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की टीम का राज्यों में आकर व्यवस्थाओं का बारीकी से अध्ययन करना, मार्गदर्शन देना, सहयोग करना और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना एक अत्यंत सराहनीय व सकारात्मक पहल है। इस व्यवस्था से सही और दूरगामी निर्णय लेने में मदद मिलती है तथा प्रशासनिक व पुलिस तंत्र की त्वरित गति से कार्य करने की दक्षता बढ़ती है। मध्यप्रदेश में देश का एक आदर्श राज्य बनने की पूरी क्षमता है और राज्य सरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय के सतत मार्गदर्शन व समन्वय से प्रदेश को हर दृष्टि से एक मॉडल राज्य बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सोते रहे कर्मचारी, चोरों ने दिया बड़ी वारदात को अंजाम

कृषि मंडी में सीसीटीवी का डीवीआर और एलईडी ले गए उखाड़कर

शिवपुरी। बदरवास कृषि उपज मंडी समिति के कार्यालय में 2-3 अक्टूबर की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने धावा बोल दिया। चोर इस बार नकदी नहीं, बल्कि सबूत मिटाने के इरादे से मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरों का 16 चैनल का डीवीआर और 32 ड्रव की एलईडी ही उखाड़कर ले गए। मुख्य ताला तोड़कर अंदर घुसे मंडी सचिव ने बदरवास थाने को इसकी सूचना दी। सूचना के अनुसार वारदात रात में हुई है। बदमाशों ने सबसे पहले मंडी के मुख्य गेट के चैनल का ताला तोड़ा। अंदर घुसकर प्रांगण और आफिस में लगे सीसीटीवी सिस्टम को निशाना बनाया। इसके बाद लेखा शाखा के कक्ष का ताला तोड़कर अंदर रखी दो लोहे की अलमारियां तोड़ दीं और शासकीय दस्तावेजों में खुदबुद करने के



साथ-साथ सामग्री की तोड़फोड़ कर क्षति पहुंचाई। घटना का पता सुबह तब चला जब रात्रिकालीन ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी आकाश वाल्मिक ने कार्यालय का ताला टूटा देखा। मंडी प्रशासन ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी है। मंडी सचिव ने पुलिस से

अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब रात में मंडी में कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद था तो फिर चोर इतनी बड़ी वारदात को अंजाम कैसे दे गए? और कर्मचारी को कानों-कान खबर तक नहीं हुई।

भोपाल के पॉश इलाके अरेरा कॉलोनी में डॉक्टर के घर के बाहर से कार चोरी

भोपाल। शहर के पॉश इलाके अरेरा कालोनी में चोरों ने घर के बाहर खड़ी एक डाक्टर की कार चोरी कर ली। वारदात ई-7 में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:25 बजे हुई। बदमाश एसयूवी से पहुंचे और पहले कार की रैकी की। इसके बाद लॉक तोड़कर कार में घुसे और उसे चालू कर फरार हो गए।

पूरी वारदात घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। अरेरा कालोनी ई-7 निवासी डा. एके जैन ने कार चोरी होने की



शिकायत हबीबगंज थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू कर

दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाश एसयूवी से आए थे और वारदात के बाद उसी वाहन से

फरार हुए। पुलिस आसपास लगे अन्य कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है।

पुलिस की रेकी पर सवाल
अरेरा कालोनी शहर के प्रमुख और पाश इलाकों में शामिल है। इसके बावजूद देर रात बदमाश यहां पहुंचकर रैकी करते रहे और कार का लॉक तोड़कर चोरी कर ले गए। इससे क्षेत्र में पुलिस की रात्रि गश्त और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इसी तरह की वारदात मिसरोद क्षेत्र में भी हो चुकी है।

स्ट्रेचर न मिला तो कंधे पर दिव्यांग भाई को उठाकर वार्ड तक ले गई बहन

गुना के अस्पताल की लाचारी का वीडियो वायरल

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले के राधौगढ़ स्थित बोरखेड़ी गांव का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें जिला अस्पताल में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में एक बहन अपने दिव्यांग और बीमार भाई को कंधे पर उठाकर अस्पताल के वार्ड तक ले जाती नजर आ रही है।

स्ट्रेचर न मिलने पर बहन बनी सहारा जानकारी के मुताबिक, बोरखेड़ी निवासी कृष्णाबाई अपने बीमार भाई जगदीश को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंची थीं। जगदीश



पिछले एक साल से बीमार है और दिव्यांगता के कारण चलने-फिरने में असमर्थ है। अस्पताल पहुंचने के बाद जब मरीज को अंदर ले जाने के लिए स्ट्रेचर या कोई सहायता नहीं मिली, तो बहन

ने खुद ही भाई को पीठ पर बैठाया और वार्ड तक पहुंचाया। इस पूरे सीन को वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। वीडियो सामने आने के बाद जब अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने स्ट्रेचर की कमी के दावों को खारिज कर दिया। प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार ऋषिश्चर का कहना है कि अस्पताल में स्ट्रेचर पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं और क्रिटिकल केयर ब्लॉक समेत पुराने परिसर के पास भी इनकी उपलब्धता रहती है।

नगर निगम के ड्राइवर ने खाया जहरीला पदार्थ

इंदौर। नगर निगम के चालक धर्मेन्द्र धारु ने मानसिक तनाव और आर्थिक परेशानों के चलते जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। गंभीर हालत में परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। संवोगितागंज पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार धर्मेन्द्र पिछले करीब दस वर्षों से नगर निगम में वाहन चालक के रूप में कार्यरत है। आत्महत्या से पहले उसने एक वीडियो जारी कर भंवर धावरे पर मानसिक रूप से परेशान करने, निगम की गाड़ी

नहीं सौंपने और बार-बार दबाव बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। वीडियो में धर्मेन्द्र ने दुर्गेश शुक्ला, योगेश राठौर और बंटी का नाम भी लिया है।

...आगे की कार्रवाई की जा रही है

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में लेनदेन और उधारी के रुपयों को लेकर विवाद की बात सामने आ रही है। पुलिस वीडियो, सीसीटीवी फुटेज और स्वजन के बयान के आधार पर मामले की गहनता से जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के अनुसंधान से विकास के संकल्प को साकार करेगी मध्यप्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अनुसंधान कार्य को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। अनेक क्षेत्रों में नवाचारों से विकास को तेज करने में सहायता मिली है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस संकल्प को मध्यप्रदेश सरकार साकार करने के प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश में सभी प्रकार के शोध और

नवाचार को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आईसर भोपाल को 485 करोड़ रुपये लागत के नए कैपेस, आधुनिक लैब, इन्वेषन पार्क की सीमांत मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) भोपाल के विस्तारित परिसर ह्यअत्रिह्न के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विस्तारित परिसर के लिए चिन्हित भूमि पर शिलापट्ट का अनावरण

कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया और बरगद, पीपल के पौधे भी लगाये। इसके बाद आईआईएसईआर के मुख्य परिसर में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्प अर्पित किए और संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं अनुसंधान गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, संस्थान के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आईआईएसईआर के नए परिसर के शिलान्यास कार्यक्रम में कहा कि मानव कल्याण के लिए वैश्विक स्तर पर सनातन संस्कृति की अनमोल धारा प्रवाहमान है। आधुनिक विज्ञान के युग में शोध और नवाचारों के लिए देश में 7 आईसर संचालित किए जा रहें हैं, जो वर्तमान दौर में हमारे लिए सप्त ऋषियों की तरह हैं। भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से शोध की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे

ऋषि पारिवारिक जिम्मेदारियों को निर्वाहन करते हुए समाज कल्याण के लिए शोध को प्रोत्साहन देते हैं। युनि आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए तपस्या में लीन रहते हैं। वर्तमान दौर में आईसर भोपाल संस्थान नए-नए शोध करते हुए ऋषि परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामीविवेकानंद ने भारत की गौरवशाली संस्कृति को पूरे विश्व में प्रचारित करने का कार्य किया।

अनूपपुर में चोरी हुई 24 ईवीएम मशीनें फाइलों में मिली

विभागीय लापरवाही से नहीं हो सकी ऑनलाइन एंट्री, 2021 में भेजी जा चुकी थीं भोपाल

अनूपपुर। जिला मुख्यालय स्थित पुराने तहसील कार्यालय भवन के वेंयरहाउस से 24 ईवीएम गायब होने के मामले की गुत्थी आखिरकार सुलझ गई है। जांच में सामने आया कि जिन 8 बैलेट यूनिट और 16 कंट्रोल यूनिट को गायब मानकर चोरी की आशंका जताई गई और कोतवाली में एफआईआर तक दर्ज करा दी गई, वे मशीनें वर्ष 2021 में ही खराब होने के कारण भोपाल भेजी जा चुकी थीं। भोपाल से डेढ़ ईसीआईएल कंपनी, हैदराबाद भेजकर नष्ट भी कराया जा चुका है।

पांच साल पहले भेजी जा चुकीं भोपाल
मामले में सबसे गंभीर पहलू यह सामने आया है कि वर्ष 2021 में मशीनों को भोपाल भेजे जाने के बावजूद

2021 में जारी हुआ था मशीनें भेजने का आदेश
उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर बलवीर रमण के अनुसार, उक्त ईवीएम वर्ष 2014 से सुरक्षित रखी गई थी और इनमें खराबी थी। वर्ष 2020 में राज्य स्तर से खराब मशीनों की जानकारी मांगी गई थी। इसके बाद तत्कालीन उप जिला निर्वाचन अधिकारी सरोहन सिंह के आदेश पर 11 अक्टूबर 2021 को संबंधित 24 मशीनों को भोपाल भेजा गया था। भोपाल से इन्हें ईसीआईएल, हैदराबाद भेजा गया, जहां बाद में इन्हें नष्ट कर दिया गया। हालांकि, मशीनों के भोपाल भेजे जाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी इसका ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट नहीं किया गया। यही चूक पांच वर्ष बाद पूरे घटनाक्रम की वजह बन गई।

निर्वाचन विभाग के अधिकारियों ने इसकी ऑनलाइन एंट्री पोर्टल पर दर्ज नहीं की। इसके चलते मशीनों के वास्तविक स्टेटस का रिकॉर्ड अपडेट नहीं हो सका। समय बीतने के साथ यह जानकारी अधिकारियों के संज्ञान से भी बाहर हो गई और हालिया भौतिक

सत्यापन में मशीनें कम मिलने पर उन्हें गायब समझ लिया गया।

चोरी की आशंका में एफआईआर
हाल ही में पुराने तहसील भवन के डिस्मंटल कार्य के दौरान वेंयरहाउस प्रभावित हुआ। 21 सितंबर को ईवीएम



को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में शिफ्ट किए जाने के बाद 24 से 28 सितंबर के बीच भौतिक सत्यापन कराया गया। सत्यापन में 24 मशीनें कम मिली। वेंयरहाउस के कमरे की पिछली दीवार भी टूटी हुई मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने मशीनों के

चोरी होने की आशंका जताई। मामले में फाइल और पुराने अभिलेखों की पूरी जांच किए बिना ही पुलिस में शिकायत पहुंची और बुधवार रात अनूपपुर कोतवाली में अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत एफआईआर दर्ज

करा दी गई।

पुरानी फाइल ने खोली पूरी सच्चाई
ईवीएम गायब होने के बाद शुरू हुई विभागीय जांच में जब पुराने निर्वाचन अभिलेख खगले गए, तो वर्ष 2021 का वह पत्र सामने आया, जिसके आधार पर संबंधित मशीनों को भोपाल भेजा गया था। इसके बाद भोपाल निर्वाचन कार्यालय से संपर्क किया गया। वहां से पुष्टि हुई कि अनूपपुर से भेजी गई खराब ईवीएम को ईसीआईएल, हैदराबाद भेजा गया था और उनका निस्तारण पहले ही किया जा चुका है। इस दस्तावेज के सामने आने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि ईवीएम चोरी नहीं हुई थी, बल्कि उनके रिकार्ड को समय पर अपडेट नहीं किए जाने के कारण वे

कागजों में उपलब्ध और भौतिक रूप से अनुपस्थित दिखाई दे रही थीं। मामला भले ही चोरी का नहीं निकला हो, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने निर्वाचन विभाग की रिकार्ड संधारण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पांच वर्ष पहले भेजी जा चुकी मशीनों की जानकारी ऑनलाइन रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होना, संबंधित फाइल का समय पर परीक्षण नहीं होना और भौतिक सत्यापन के दौरान पुराने अभिलेखों की जांच किए बिना चोरी की आशंका में पुलिस कार्रवाई तक पहुंच जाना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

ईवीएम जैसी संवेदनशील निर्वाचन सामग्री के मामले में मशीनों के आवागमन, निस्तारण और भौतिक

सत्यापन का रिकॉर्ड अद्यतन रहना जरूरी है। यदि वर्ष 2021 में ही आनलाइन रिकार्ड दुरुस्त कर दिया जाता तो पांच वर्ष बाद 24 ईवीएम के गायब होने की स्थिति ही पैदा नहीं होती और न ही पुलिस को चोरी की एफआईआर दर्ज करने की नौबत आती। अब पूरे मामले में यह भी महत्वपूर्ण होगा कि रिकॉर्ड अपडेट नहीं करने और बिना पूरी अभिलेखीय जांच के चोरी की एफआईआर तक मामले पहुंचाने की जिम्मेदारी किस स्तर पर तय की जाती है। प्रशासनिक जांच में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका स्पष्ट होने के बाद ही यह तय हो सकेगा कि वह केल भूल-चूक थी या निर्वाचन रिकार्ड के प्रति गंभीर लापरवाही।

कौन है सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाला भारतीय खिलाड़ी?

लिस्ट में पांचवें स्थान पर पहुंचे शुभमन गिल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के साथ खेली गई 3 मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया 2-1 से अपने नाम किया. इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज शुभमन गिल रहे, जिन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड मिला. इसी के साथ शुभमन गिल सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने वाले क्रिकेटरों की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं. मगर, क्या आपको मालूम है कि सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने वाले क्रिकेटरों के नाम पर दर्ज है ? वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा

प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय क्रिकेटर का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर का नाम आता है. सचिन ने वनडे क्रिकेट में सबसे अधिक 15 बार इस अवॉर्ड पर अपना नाम लिखा. हालांकि, तीनों फॉर्मेट को मिलाकर सचिन तेंदुलकर ने 20 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज जीता. सचिन ने 5 बार टेस्ट और 15 बार वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज जीता.

विराट कोहली दूसरे स्थान पर काबिज
वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड



जीतने वाली लिस्ट में दूसरे स्थान पर विराट कोहली का नाम आता है. विराट ने अपने अब तक के

करियर में 11 बार इस अवॉर्ड पर कब्जा किया. वहीं, जब ऑलराउंडर क्रिकेट की बात करें,

तो सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम पर दर्ज है. विराट ने टेस्ट में 3, वनडे में 12 और टी-20 क्रिकेट में 7 बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता.

शुभमन गिल ने जीता 7वां प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड
वेस्टइंडीज के साथ खेली गई वनडे सीरीज में शुभमन गिल ने कमाल की बल्लेबाजी की. उन्होंने शुभमन गिल ने पहले वनडे मैच में 110, दूसरे मैच में 223* रन बनाए. हालांकि, वह तीसरे वनडे मैच में कुछ खास नहीं कर सके

और 1 रन बनाकर आउट हो गए. मगर, वह सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में पहले पायदान पर रहे. शुभमन ने 167 के औसत और 135.22 की स्ट्राइक रेट से 334 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 39 चौके और 9 छक्के निकले. इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया, जो उनके वनडे करियर का 7वां प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड रहा. बताते चलें, वनडे क्रिकेट में पूर्व भारतीय दिग्गज सीरव गांगुली, युवराज सिंह, एमएस धोनी ने 7-7 प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीते हैं.



विराट कोहली-रोहित शर्मा अगली बार कब मैदान पर उतरेंगे ?

5 मैचों की होगी वो वनडे सीरीज

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के साथ खेली गई वनडे सीरीज खत्म हो चुकी है. 3 मैचों की सीरीज को भारतीय क्रिकेट टीम ने 2-1 से जीतकर अपने नाम कर लिया, जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा ने एक बार फिर धमाकेदार प्रदर्शन किया और शतकीय पारी लगाकर फैस का दिल जीत लिया.

लेकिन, अब भारत-वेस्टइंडीज के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली को जोड़ी एक्शन में नहीं दिखेंगे. तो अब सवाल उठता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा अगली बार कब एक्शन में दिखेंगे.

विराट कोहली और रोहित शर्मा का कैसा रहा प्रदर्शन ?

भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई 3 मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने शानदार प्रदर्शन किया है. रोहित ने पहले वनडे मैच में 35 गेंद पर 32 रन बनाए. विराट कोहली ने पहले वनडे मैच में 88 गेंदों पर 10 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 139 रनों की नाबाद पारी खेली. दूसरे वनडे मैच में रोहित ने 75 गेंदों पर 101 रनों की पारी खेली. वहीं, विराट कोहली ने 19 गेंदों पर 29 रन बनाए. तीसरे वनडे मैच में रोहित शर्मा

का बल्ला एक बार फिर चला, जिसमें उन्होंने 85 गेंदों पर 92 रनों की पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 3 छक्के लगाए. वहीं, विराट तीसरे वनडे में शून्य पर ही आउट हो गए.

अगली बार कब मैदान पर उतरेंगे विराट कोहली और रोहित शर्मा ?

वेस्टइंडीज के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम अगली वनडे सीरीज न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के साथ खेलेगी. जो जाँ, नवंबर में भारत को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है, जहां भारत-वेस्टइंडीज के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी. सीरीज की शुरुआत 4 नवंबर से होगी और इसका आखिरी यानि तीसरा वनडे 15 नवंबर को खेला जाएगा. कुल मिलाकर भारतीय क्रिकेट टीम अगली वनडे सीरीज न्यूजीलैंड दौरे पर खेलने वाली है. एक बार फिर सभी की नजरें विराट कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी होंगी, जो अब सिर्फ इसी फॉर्म में खेलते नजर आते हैं.

भारत और न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का शेड्यूल

भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगी और मेजबानों के साथ 5 मैचों की वनडे सीरीज खेलने वाली है. सीरीज का पहला मैच 4 नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा. दूसरा वनडे 7 नवंबर को वेलिंग्टन में खेला जाएगा. तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन, 13 नवंबर तौरंगा, 15 नवंबर को तौरंगा में खेला जाएगा.

डबल पर्सनालिटी के शिकार हैं वैभव सूर्यवंशी! श्रेयस अय्यर ने खोल दिए तूफानी बल्लेबाज के राज

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए मशहूर हैं। उनका बल्ला जब चलता है तो उसका हल्ला पूरे विश्व भर में बोलता है। मैदान पर वह काफी खतरनाक होते हैं, लेकिन मैदान के बाहर उनका व्यवहार अलग रहता है। भारत की टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वैभव की दो पर्सनालिटी हैं। एक मैदान के बाहर और एक मैदान के अंदर और दोनों में वह काफी अलग हैं।

वैभव सिर्फ 15 साल के हैं और अपनी छाप दुनिया पर छोड़ चुके हैं।



आईपीएल में उन्होंने अपना जलवा दिखाया और अब टीम इंडिया के लिए

तूफानी बल्लेबाजी कर रहे हैं। मैदान पर वह काफी आक्रामक रहते हैं, लेकिन

मैदान के बाहर कई बार उनका बच्चों वाला अंदाज देखने को मिलता है। अय्यर ने वैभव के बारे में कहा कि वह मैदान के बाहर काफी शांत रहते हैं, लेकिन मैदान के अंदर वह बेहद आक्रामक नजर आते हैं। अय्यर ने कहा कि वह लगातार उनसे बात करते रहते हैं। अय्यर ने जियोहॉटस्टार पर बात करते हुए कहा, "मैं वैभव से इस बारे में बात करता रहता हूँ कि वह मैदान के बाहर क्या करते हैं क्योंकि हर कोई उनसे क्रिकेट के बारे में बात करता है। हम जानते हैं कि वह किताना टैलेंटेड है। इसलिए मैं उससे मैदान के बाहर के बारे में

बात करता हूँ। उसके परिवार के बारे में जानना, वो क्या करता है, क्या नहीं। वह जब इस बारे में बात करता है तो वह अपने आप को बाहर लाता है।

उन्होंने कहा, वह काफी शांत इंसान है, लेकिन मैदान के अंदर वह काफी तूफानी बल्लेबाज हैं। जब आप उसे देखते हैं तो यह अलग बात सामने आती है। वह काफी मासूम है। मैं जानता हूँ कि उसका समय आएगा क्योंकि हम वर्ल्ड कप विजेता ओपनर्स के साथ खेल रहे हैं और वह टीम में जगह के हकदार हैं। जब उसका समय आएगा तब वो दुनिया पर राज करेगा।

'जड़ू भाई को ड्रॉप नहीं किया'

नई दिल्ली। मुल्लनपुर में शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के तीसरे वनडे मैच में सीनियर ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को प्लेइंग 11 में शामिल नहीं किया गया। वनडे में उनके गिरते प्रदर्शन के आंकड़े निश्चित रूप से चिंता का विषय थे, लेकिन युवावादी में खेले गए दूसरे मैच में इस अनुभववी खिलाड़ी ने दो विकेट लिए थे। जापान में चल रहे एशियाई खेलों के कारण अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर की अनुपलब्धता को देखते हुए उम्मीद थी कि जडेजा प्लेइंग 11 में अपनी जगह बनाए रखेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उनकी जगह अशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के बाद गौतम गंभीर की पोस्ट ने मचाई सनसनी, विरोधी टीम के लिए लिखी खास बात

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीसरे और आखिरी मैच में उम्मीद थी कि मेजबान टीम जीत हासिल करते हुए मेहमान टीम को बिना एक भी मैच जीते भेजेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं सका।

इस सीरीज जीत के बाद टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर काफी खुश नजर आ रहे हैं और उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी खुशी जाहिर की है।

गंभीर ने अपनी पोस्ट में वेस्टइंडीज टीम की भी जमकर तारीफ की है जिसने इस सीरीज में अच्छी लड़ाई लड़ी और भारत को आसानी से जीत हासिल नहीं करने दी। तीसरे वनडे में तो विंडीज ने अपना सबसे बड़ा चेज हासिल किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में सात विकेट खोकर 351 रन बनाए थे। विंडीज ने 48.2 ओवरों में पांच विकेट खोकर यह टारगेट हासिल कर लिया। गौतम गंभीर की पोस्ट वायरल गंभीर ने इस जीत के बाद अपने



एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट की है जिसकी इस समय सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। गंभीर ने

एक्स पर लिखा, रमेहनत और विश्वास के दम पर जीती गई सीरीज। लड़कों पर गर्व है। हमें इस

अब टी20 सीरीज की बारी

वनडे सीरीज के बाद टीम इंडिया की नजरें अब टी20 सीरीज पर टिकी हैं। इस सीरीज की शुरुआत छह तारीख से हो रही है। वेस्टइंडीज की टीम वनडे सीरीज हार का बदला इस सीरीज में लेने की फिराक में होगी। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में विंडीज टीम वनडे से ज्यादा खतरनाक है। उसके पास इस फॉर्मेट के एक से एक धुरंधर हैं जो कुछ भी कर सकते हैं। ऐसे में भारत को सावधान रहने की जरूरत है।

जीत के लिए कड़ी मेहनत कराने के लिए वेस्टइंडीज टीम का पूरा सम्मान। दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज ने कमाल की बल्लेबाजी की थी और सात विकेट खोकर 405 रन बनाए

थे। हालांकि, भारत ने कप्तान शुभमन गिल के दोहरे शतक और रोहित शर्मा के शतक के दम पर ये टारगेट हासिल कर लिया था जो वनडे में सबसे बड़ा चेज है।

कारोबार

बढ़ सकती है आपकी लोन की ईएमआई, आरबीआई की एमपीसी बैठक से पहले ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आसार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक अगले हफ्ते होने वाली है.

बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सेंट्रल बैंक अब ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला शुरू कर सकता है. पहले दिसंबर में बढ़ोतरी की उम्मीद थी लेकिन अब इसे अक्टूबर में ही शुरू होने का अनुमान लगाया जा रहा है.

कितनी हो सकती है व्याज दरों में बढ़ोतरी?

बैंक ऑफ अमेरिका (बीओएफए) के मुताबिक, बढ़ती ऊर्जा कीमतों, खाद्य महंगाई और चोतरफा महंगाई के दबाव के कारण अक्टूबर में 25 बेसिस पॉइंट्स (बोपीएस) की बढ़ोतरी संभव है जबकि पहले यह दिसंबर में अनुमानित थी. बीओएफए ने कहा, रलगभग दो साल की मौद्रिक नरमी के बाद, आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में नीतिगत समर्थन वापस लेने के शुरूआती कदम उठाने के लिए तैयार दिख रहा है. ऐसे में हमें लगता है कि आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में 25बोपीएस की दर से

बढ़ोतरी करेगा.

5-7 अक्टूबर के बीच होगी MPC की बैठक

एसबीआई रिसर्च ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय 25-बोपीएस की दर से बढ़ोतरी का जोखिम काफी बढ़ गया है. महंगाई का दायरा बढ़ना, वैश्विक हालात बिगड़ना, लिक्विडिटी की स्थिति और वैश्विक स्तर पर जोखिमों का दोबारा मूल्यांकन, पहले से कार्रवाई करने की जरूरत को मजबूत कर रहा है. आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होगी है, जिसमें



बैंचमार्क रेपो रेट पर फैसला लिया जाएगा. एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल के दाम का



जोखिम और वैश्विक जोखिमों के दोबारा मूल्यांकन को देखते हुए, हमारे लिए कर्व से पीछे रहने के बजाय पहले से ही कार्रवाई करना

समझदारी होगी.

लगातार बढ़ रही महंगाई दर

महंगाई अब तेजी से बढ़ रही है. सीपीआई महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 4.45 प्रतिशत थी. मजबूत अल नीनो और अक्टूबर में सामान्य से कम बारिश रबी की पैदावार के लिए और जोखिम पैदा कर सकती है. कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, महंगाई और वैश्विक स्तर पर बॉन्ड यील्ड बढ़ने से आरबीआई के लिए दरों को यथावत रखने की गुंजाइश कम हो गई है. बीएनपी पारिबा

इंडिया की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कुछ हफ्तों में भारत का मैक्रो-आउटलुक कमजोर हुआ है, क्योंकि ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चला गया है और अमेरिका के 10-साल के ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत की ओर बढ़ गए हैं.

25-50 बेसिक पॉइंट्स तक सीमित रह सकती है व्याज दर

ग्लोबल ब्रोकरेज नोमुरा के विश्लेषकों के अनुसार, आरबीआई मौजूदा साइकिल में व्याज दरों में बढ़ोतरी को 25-50 बेसिस पॉइंट्स तक ही सीमित रख सकता

है, जबकि बाजार इससे ज्यादा सख्ती की उम्मीद कर रहा है. उन्होंने 75 बेसिस पॉइंट्स से अधिक की व्यापक सख्ती के बजाय सीमित बढ़ोतरी की 80 प्रतिशत संभावना जताई है. बता दें कि बेसिस पॉइंट वित्त और बैंकिंग में व्याज दरों या यील्ड (प्रतिफल) में होने वाले छोटे बदलाव को मापने की एक मानक इकाई है. बता दें कि बेसिस पॉइंट (बोपीएस) वित्त और बैंकिंग में व्याज दरों या यील्ड (प्रतिफल) में होने वाले छोटे बदलाव को मापने की एक मानक इकाई है.

तीन नए लॉजिस्टिक पार्क से माल ढुलाई होगी आसान

2870 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना



नई दिल्ली। देश में माल ढुलाई को आसान बनाने और व्यापार को रफ्तार देने के लिए केंद्र ने एक बड़ा कदम उठाया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के तहत काम करने वाली नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड देश भर में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क विकसित कर रही है। इसी कड़ी में पटना, नासिक और

हैदराबाद में तीन नए लॉजिस्टिक पार्क बनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है, जिन पर करीब 2,870 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

पटना, हैदराबाद से नासिक तक योजनाएं

सूत्रों के मुताबिक, तीनों परियोजनाओं की अंतिम रिपोर्ट बनाकर स्वीकृति के लिए सरकार के पास भेज दी गई है। मंजूरी मिलते

ही टेंडर और निर्माण की प्रक्रिया तेजी से शुरू कर दी जाएगी। पटना में 870 करोड़ रुपये की लागत से 103 एकड़ जमीन पर पार्क बनेगा। हैदराबाद में 1,300 करोड़ रुपये की लागत से सबसे बड़ा यानी 156 एकड़ में पार्क तैयार किया जाएगा। नासिक में 700 करोड़ रुपये की लागत से 123 एकड़ क्षेत्र में इसका निर्माण होगा।

दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यात्री और मालगाड़ियों का दबाव कम करने के लिए वडोदरा-रतलाम के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाई जाएगी। रेल मंत्रालय ने 259 किमी लंबी परियोजना को विशेष रेल परियोजना घोषित किया है। परियोजना को 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस मार्ग पर सालाना 1.65 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर रहा बिकवाली का दबाव

विदेशी पूंजी की निकासी ने पूरे सप्ताह निवेशकों की धारणा को नकारात्मक बनाए रखा

मुंबई। बीते सप्ताह 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के कारण शेयर बाजार में सिर्फ चार दिन कारोबार हुआ। सोमवार को सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रही। वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी ने बाजार पर जबरदस्त दबाव बनाया। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 1,124.02 अंक गिरकर 72,771.72 पर बंद हुआ, जो छह महीने का निचला स्तर था। एनएसई निफ्टी भी 360.25 अंक टूटकर 22,780.25 पर आ गया, यह भी लगभग छह महीने का निचला स्तर था। लगातार बिकवाली और अस्थिरता मंगलवार को भी बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा, जहां सेंसेक्स 242.65 अंक गिरकर 72,529.07



पर और निफ्टी 64.05 अंक फिसलकर 22,716.20 पर बंद हुआ। तेल की बढ़ती कीमतें और पश्चिम एशिया में आपूर्ति की बाधाओं से जुड़ी चिंताओं ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। सूचना प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सबसे अधिक बिकवाली देखी गई। बुधवार को बाजार में थोड़ी अस्थिरता दिखी

और शुरुआती तेजी के बाद बिकवाली का दबाव फिर लौट आया। अंततः सेंसेक्स 48.78 अंक गिरकर 72,480.29 पर और निफ्टी 95.75 अंक की गिरावट के साथ 22,620.45 पर बंद हुए। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने सुधार की उम्मीदों को कमजोर किया। गुरुवार को भी बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा।

शुरुआती कारोबार से ही दबाव महसूस किया गया और दिन के अंत में बीएसई सेंसेक्स 570.59 अंक टूटकर 71,909.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 198.50 अंक की गिरावट के साथ 22,421.95 पर आ गया। रफ्तार भी डॉलर के मुकाबले 3 पैसे कमजोर

होकर 95.97 पर बंद हुआ। इस प्रकार, भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और लगातार विदेशी पूंजी की निकासी ने पूरे सप्ताह निवेशकों की धारणा को नकारात्मक बनाए रखा, जिससे भारतीय शेयर बाजार में भारी नुकसान दर्ज किया गया।

28000 सैलरी पर कितनी मिलेगी पेंशन ?

नई दिल्ली: केंद्रीय कैबिनेट ने कर्मचारी भविष्य निधि और कर्मचारियों पेंशन योजना के तहत वेतन सीमा को 15000 से बढ़ाकर 25,000 प्रति माह करने का बड़ा ऐतिहासिक फैसला लिया है। इस फैसले से देशभर के करोड़ों नौकरीपेशा लोगों को राहत मिली है। इसके साथ ही रिटायरमेंट के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की कर्मचारी पेंशन योजना एक बड़ा सहारा बनकर उभरती है। लेकिन EPF IYवरेज के लिए बेसिक सैलरी की अधिकतम सीमा बढ़ने के बाद कर्मचारियों के मन में यह सवाल जरूर आता है कि अगर उन्होंने 10 साल काम किया तो उन्हें कितनी पेंशन मिलेगी और इसका हिसाब वे कैसे लगाएं।



ताल-तलैयाँ से घिरा भोपाल का नेशनल पार्क



अन्य संग्रहालयों या फिर सर्कसों से भी कुछ जानवर यहा लाए गए हैं। लगभग पांच किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस राष्ट्रीय उद्यान का मुख्य द्वार मुख्यमंत्री निवास के निकट से होकर भदभदा की ओर जाता है। उद्यान के चारों ओर हरियाली बरबस ही पर्यटकों को अपनी ओर खींच लेती है। शैल-शिखरों से घिरे उक्त उद्यान के पास ही परमारवंशीय राजा भोज द्वारा निर्मित भोपाल का बड़ा तालाब है जिसके बारे में उक्ति है कि तालों में भोपाल ताल बाकी सब.....प्रचलन में हैं।

मध्यप्रदेश की राजधानी का नाम सुनते ही यहां की गौरव ताल-तलैयाँ, शैल-शिखरों की याद आना लाजिमी हैं। जहां भोपाल ने राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट हाकी सहित देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद तक पर अपनी छाप छोड़ी वहीं राष्ट्रीय उद्यानों के क्षेत्र में भी किसी से कम नहीं हैं। यहां बना नेशनल पार्क को श्री-इन-वन कहना कोई अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा।
ऐसा सुन्दर उद्यान नेशनल पार्क होने के साथ-साथ चिड़िया घर (जु) तथा जंगली जानवरों का बचाव केन्द्र भी है। 445 हेक्टेयर में फैले इस नेशनल पार्क में मिलने वाले जानवरों को जंगल से पकड़कर नहीं लाया गया हैं। यहां जो जानवर हैं वे लावारिस, कमजोर, रोगी, घायल या बूढ़े थे अथवा जंगलों से भटककर ग्रामीण शहरों क्षेत्रों में आ गये थे तथा उनका बाद में आशियाना यहां बनाया गया।
अन्य संग्रहालयों या फिर सर्कसों से भी कुछ जानवर यहा लाए गए हैं। लगभग पांच किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस राष्ट्रीय उद्यान का

भोपाल नेशनल पार्क में प्रवेश करने से पूर्व यह अनुभव भी नहीं कर सकते की आप किसी जंगल की सैर करने जा रहे हैं। रामू गेट से चीकू गेट तक की लगभग पांच किलोमीटर की दूरी आप ऐसे तय करेंगे कि आपको अहसास ही नहीं होगा कि आप किसी ऐसे अद्भुत स्थल की सैर कर रहे हैं जहां एक ओर जंगली जानवरों भालू, शेर, हिमालयी भालू, तेंदुएं और बाघ के बाड़े आते हैं तो दूसरी ओर तालाब से आ रही ठंडी हवाएं और जल की तरंगें मनोहारी लगती है कि आप भोपाल नेशनल उद्यान को अंतिम समय तक भूल नहीं सकते।



मुख्य द्वार मुख्यमंत्री निवास के निकट से होकर भदभदा की ओर जाता है। उद्यान के चारों ओर हरियाली बरबस ही पर्यटकों को अपनी ओर खींच लेती है। शैल-शिखरों से घिरे उक्त उद्यान के पास ही परमारवंशीय राजा भोज द्वारा निर्मित भोपाल का बड़ा तालाब है जिसके बारे में उक्ति है कि तालों में भोपाल ताल बाकी सब तलैया, रानियों में कमलाबती बाकी सब.....प्रचलन में हैं। वनविहार के नाम से ख्यात उक्त उद्यान के आसपास सांस्कृतिक कला का केन्द्र भारत भवन, वोट क्लब, मानव संग्रहालय, कमला पार्क, केरवा डेम, कमला पार्क, दूरदर्शन सहित अनेक ऐसे स्थानों से घिरा हुआ भोपाल नेशनल

पार्क को राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा 18 जनवरी 1983 में प्राप्त हुआ था। यूं तो प्रदेश के ग्वालियर, इंदौर में भी स्माल चिड़ियाघर हैं जिनकी देखरेख नगर निगमों द्वारा की जाती है।
भोपाल नेशनल पार्क में प्रवेश करने से पूर्व यह अनुभव भी नहीं कर सकते की आप किसी जंगल की सैर करने जा रहे हैं। रामू गेट से चीकू गेट तक की लगभग पांच किलोमीटर की दूरी आप ऐसे तय करेंगे कि आपको अहसास ही नहीं होगा कि आप किसी ऐसे अद्भुत स्थल की सैर कर रहे हैं जहां एक ओर जंगली जानवरों भालू, शेर, हिमालयी भालू, तेंदुएं और बाघ के बाड़े

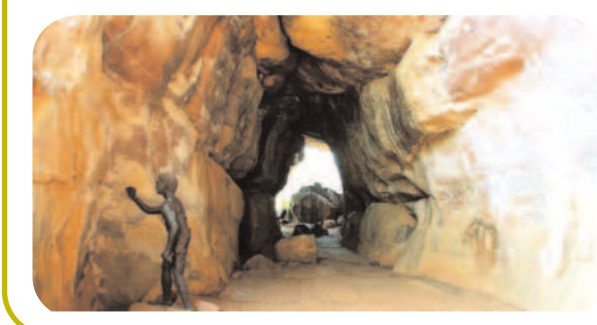
आते हैं तो दूसरी ओर तालाब से आ रही ठंडी हवाएं और जल की तरंगें मनोहारी लगती है कि आप भोपाल नेशनल उद्यान को अंतिम समय तक भूल नहीं सकते। गमों के दिनों में प्रवासी पक्षी भी इसी जगह पर आकर सुकून का अनुभव करते हैं। यहां कि विशेषता यह है कि आप पैदल ही पांच किलोमीटर का दायरा कैफे का स्वादिष्ट भोजन, नस्ता करते हुए समझ ही नहीं सकते की आपने आने जाने में इतनी अधिक दूरी कैसे तय कर ली।
भोपाल वनविहार तक पहुंचने के लिए देश के लगभग सभी स्थानों से हवाई, रेल एवं बस सेवा उपलब्ध हैं। यहीं से टेक्सियों के द्वारा, पैदल अथवा साइकल से आप वन विहार के मनमोहक दृश्य को अपने जेहन में बिठा सकते हैं। यहां का बिड़ला मंदिर, गुफा मंदिर, कर्पूय वाली माता का मंदिर, कालीघाट, मनुआभान की टेकरी, एशिया की सबसे बड़ी ताजुल मस्जिद, गंगा-जमुनी तहजीब की प्रतीक जामा मस्जिद, प्राचीन कमला पार्क,

छोटा तालाब, मोतिया तालाब, ताजमहल, लोकप्रियता के शिखर पर अपनी अलग ही छाप छोड़ते हैं। लेकिन भोपाल का रमशान घाट भी (मृत्यु का अंतिम पड़ाव स्थल) किसी पर्यटन स्थल से कम नहीं हैं। ताजुल मस्जिद में प्रतिवर्ष लगने वाले इज्तिमा जिसमें विश्व के सभी देशों से लोग आकर सम्मिलित होते हैं।
भोपाल के आसपास के लगभग सौ किलोमीटर क्षेत्रों में सलकनपुर, भोजपुर, तरावली, सीहोर के सिद्ध गणेश, साची, होशंगाबाद, रायेसन मार्ग पर स्थित कंकाली देवी का मंदिर (जो देश में एकमात्र कृष्ण मुद्रा काली का मंदिर है), केहरी महादेव अर्थात शेरवाले महादेव सहित कदम-कदम पर ऐसे स्थल विकसित हैं कि आप की भोपाल से जाने की इच्छा ही नहीं होगी।
भोपाल का पान खाना नहीं भूले क्योंकि यह अपनी विशिष्टता के लिए देश में अपना स्थान रखता है। विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक गैस त्रासदी झेल चुके इस शहर के बारे में कहा जा सकता है कि 'सारे पर्यटन बार-बार भोपाल पर्यटन एकबार।' आपको यहां पर रुकने को विवश कर देगा। यहां की हिन्दू-मुस्लिम तहजीब देखते ही बनती है।



भोपाल के निकट भीमबेटका

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है भीमबेटका की हजारों साल पुरानी गुफाएं। आदि पुरुष एवं जीवों के विभिन्न रूपों में अनेक प्रकार के प्राचीन चित्र होने के साथ ही आदिमानव द्वारा निर्मित भीती चित्रों की दुर्लभ श्रृंखला देखते ही बनती है। यहां पिकनिक के लिए उपयुक्त स्थान है। यहां पुरातत्व का अथाह खजाना भरा पड़ा है। सैलानी यहां सदैव आते-जाते रहते हैं। भोपाल-होशंगाबाद रोड पर स्थित उक्त स्थल पर आवागमन 24 घण्टे उपलब्ध रहता है।



विंध्याचल की पहाड़ियों पर लगभग दो हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ के नाम से भी जाना जाता है हिंडोला महल, रानी रूपमती का महल, जहाज महल, जामा मस्जिद, अशरफी महल, जैन धर्म का 1472 ई. की पार्श्वनाथ की श्वेत पद्मासन प्रतिमा देखने योग्य है। नीलकंठ महल की दीवारों पर अकबरकालीन कला की नक्काशी भी देखने योग्य है। अन्य स्थलों में हाथी महल, दरियाखान की मजार, दाई का महल, दाई की छोटी बहन का महल, मलिक मघत की मस्जिद और जाली महल भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

पर्यटन में अलग ही पहचान रखता है मांडू



शाने-शोकत के साथ ही हरियाली से आच्छादित पर्यटकों का स्वागत करते जहां के प्राचीन दरवाजे। धुमावदार रास्तों के साथ ही सीताफलों से लबालब भरे पेड़, कमलगटे, इमली के विषाल वृक्ष बरबस ही पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करे बिना नहीं रहते। विंध्याचल की पहाड़ियों पर लगभग दो हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ के नाम से भी जाना जाता है हिंडोला महल, रानी रूपमती का महल, जहाज महल, जामा मस्जिद, अशरफी महल, जैन धर्म का 1472 ई. की पार्श्वनाथ की श्वेत पद्मासन प्रतिमा देखने योग्य है। नीलकंठ महल की दीवारों पर अकबरकालीन कला की नक्काशी भी देखने योग्य है। अन्य स्थलों में हाथी महल, दरियाखान की मजार, दाई का महल, दाई की छोटी बहन का महल, मलिक मघत

की मस्जिद और जाली महल भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है।
यहां मई और जून में गर्मी अधिक पड़ने के कारण जाना उचित नहीं है। जुलाई से मार्च तक यहां सैलानियों का जमघट लगा रहता है। यहीं एक रेवा कुंड का निर्माण बादशाह बाजबहादुर ने अपनी प्रेमिका रानी रूपमती के महल में पानी की प्यास व्यवस्था के स्रोत के रूप में करवाया था।



मांडू में 12 प्रवेश द्वारा 45 किलोमीटर की परिधी में निर्मित हैं। जिनमें 'दिल्ली दरवाजा प्रमुख हैं। शैल और चट्टानों से सराबोर मांडू के बारे में यह जानना आवश्यक है कि मालवा के राजपूत परमार शासक भी बाहरी आक्रमण से अपनी रक्षा के लिए मांडू की ही सबसे सुरक्षित जगह मानते थे।
मांडू में देवादिदेव नीलकंठ शिवजी का मंदिर है जिसमें जाने के लिए अंदर सीढ़ी उतरना पड़ता है। इस मंदिर के सौन्दर्य और पेड़ों से घिरे तालाब से एक धार नीचे शिवजी का अभिषेक करती हुई प्रतीत होती है।